वर्ष-10 अंक-239 पृष्ठ- 8 मूल्यः 3 रूपये

प्रयागराज, बुधवार 04 दिसम्बर 2024

TM

आधुनिक भारत का आधुनिक नजरिया

आधुनिक समाचार

नगर संस्करण

10

प्रयागराज से प्रकाशित एवं सम्पूर्ण भारत वर्ष में प्रसारित

Download From Adhunik Samachar

आधुनिक समाचार नेटवर्क

संक्षिप्त समाचार

खनौरी बॉर्डर पर पहुंचेगा हरियाणा के किसानों का जत्था, आंदोलन को देगा मजबूती

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। डल्लेवाल ने कहा कि 3 दिसंबर को हरियाणा के किसानों का एक बड़ा जत्था खनौरी बॉर्डर पर पहुंचेगा और आंदोलन को मजबूती देगा। किसान नेता जगजीत सिंह डल्लेवाल का मेडिकल बुलेटिन जारी करते हुए डॉक्टरों ने बताया कि सोमवार को उनका ब्लड प्रेशर 146/96, शुगर 74, तापमान

96 एवं पल्स 94 है। खनौरी बॉर्डर पर सोमवार को किसान नेता जगजीत सिंह डल्लेवाल का आमरण अनशन 7वें दिन भी जारी रहा। डल्लेवाल ने कहा कि 3 दिसंबर को हरियाणा के किसानों का एक बड़ा जत्था खनौरी बॉर्डर पर पहुंचेगा और आंदोलन को मजबूती देगा। उन्होंने कहा कि उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने एक कार्यक्रम में कहा कि जब किसान परेशान है तो हमें नींद कैसे आती है। किसानों की खुशहाली के बिना 2047 तक भारत को विकसित बनाने का सपना अधूरा रहेगा। किसानों की समस्याओं का समाधान प्राथमिकता से होना चाहिए। उपराष्ट्रपति के दरवाजे किसानों के लिए 24 घंटे खुले हैं। उपराष्ट्रपति के इस बयान पर डल्लेवाल ने कहा कि उपराष्ट्रपति के इन विचारों का वह सम्मान करते हैं, लेकिन यदि वह किसानों की समस्याओं को लेकर गंभीर हैं तो उन्हें सरकार को आदेश देने चाहिए कि सरकार की तरफ से किसानों से किए गए वादों को जल्द से जल्द पूरा करें। उन्होंने कहा कि 2011 में गुजरात के मुख्यमंत्री के पद पर रहते हुए नरेंद्र मोदी ने तत्कालीन प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह को पत्र लिखकर कहा था कि किसानों के लिए एमएसपी गारंटी कानून बनाया जाए, लेकिन 2014 में प्रधानमंत्री बनने के बाद मोदी ने अब तक अपना वादा नहीं पूरा किया है।

नोएडा से दिल्ली कूच करने वाले किसानों की क्या हैं मांगें, सात दिनों में बनेगी बात

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। प्राधिकरण और पुलिस-प्रशासन के साथ लंबी बातचीत के बाद किसानों ने सात दिन तक दिल्ली कूच नहीं करने का फैसला किया। इस दौरान, किसान दलित प्रेरणा स्थल पर ही धरना देंगे। उनकी मांगें नहीं मानी गईं, तो फिर वे दिल्ली कूच करेंगे। बढ़े मुआवजे समेत अन्य मांगों को लेकर दिल्ली कूच कर रहे किसानों के आंदोलन से नोएडा-दिल्ली सीमा साथ लंबी बातचीत के बाद किसानों ने सात दिन तक दिल्ली कूच नहीं करने का फैसला किया। इस दौरान, किसान दलित प्रेरणा स्थल पर ही धरना देंगे। उनकी मांगें नहीं मानी गईं, तो फिर वे दिल्ली कूच करेंगे। संयुक्त किसान मोर्चा के बैनर तले नोएडा-ग्रेनो और यमुना प्राधिकरण के तहत आने वाले किसान दिल्ली कूच के लिए दोपहर 12 बजे महामाया फ्लाईओवर के पास जुटे। पुलिस ने रोकने की कोशिश की, तो किसान बढ़ गया और करीब चार किमी लंबी कतार लग गई। ट्रैफिक को शहर की तरफ मोड़ा गया, तो सेक्टर-38 से लेकर सेक्टर-1 न्यू अशोक नगर सीमा तक जाम के हालात बन गए। इसी तरह, डीएनडी से लेकर पर्थला व अन्य रास्तों पर जाम की स्थिति रही। शाम 4 बजे किसान सड़क से हटे तो ट्रैफिक सामान्य हो पाया।नोएडा के अतिरिक्त पुलिस आयुक्त शिवहरि मीणा ने बताया कि

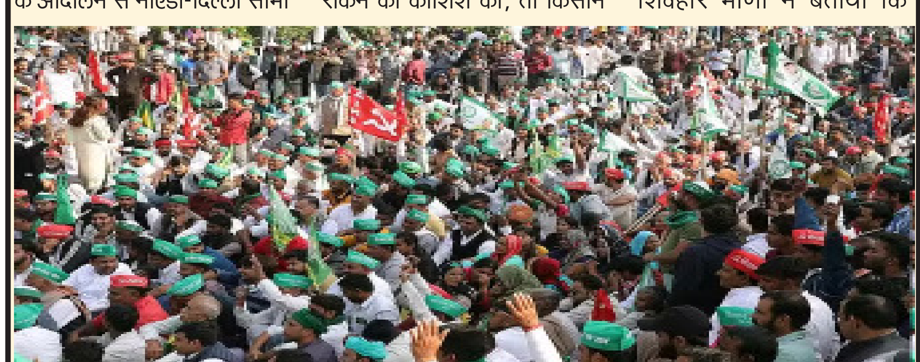

पर कई घंटे भीषण जाम रहा। राजधानी दिल्ली के सीमावर्ती इलाकों में भी जाम से नागरिक परेशान हुए। नोएडा-ग्रेटर नोएडा के गांवों से ट्रैक्टर ट्रॉली समेत अन्य वाहनों से हजारों की संख्या में दलित प्रेरणा स्थल पर पहुंचे आंदोलनकारी किसानों की वजह से यातायात व्यवस्था चरमरा गई। महामाया फ्लाईओवर के पास नोएडा-ग्रेनो एक्सप्रेसवे साढ़े तीन घंटे बंद रहा, जिससे कई किलोमीटर वाहनों की कतार लग गई। पुलिस की घेराबंदी व बैरिकेडिंग पार कर आगे बढ़ते किसानों को रोका, तो वे सड़क पर ही धरने पर बैठ गए। प्राधिकरण और पुलिस-प्रशासन के बैरिकेडिंग गिराते हुए आगे बढ़ गए। पुलिस और प्राधिकरण के अधिकारियों ने बमुश्किल उन्हें मनाया। भारतीय किसान परिषद के अध्यक्ष सुखबीर खलीफा ने बताया कि अधिकारी सरकार की तरफ से किसानों से सचिव स्तर की वार्ता का प्रस्ताव लाए थे। किसानों ने साफ कहा, मांगें पूरी होने तक वे वापस नहीं लौटेंगे। किसानों ने सड़क को खाली कर दी, पर दलित प्रेरणा स्थल के अंदर बैठ गए। वे सात दिन तक वहीं डेरा डाले रहेंगे। महामाया फ्लाईओवर पर ट्रैफिक रोकने से डीएनडी, चिल्ला बॉर्डर, नोएडा-ग्रेनो और कालिंदीकुंज से आने वाले वाहनों के रास्ते बंद हो गए। एक्सप्रेसवे पर वाहनों का दबाव किसानों को रोकने के लिए त्रिस्तरीय सुरक्षा व्यवस्था की गई है। विभिन्न स्थानों पर चेकिंग के लिए 5,000 पुलिसकर्मियों को तैनात किया गया है। 1,000 से अधिक पीएसीकर्मी भी तैनात हैं। किसी भी आपात स्थिति से निपटने और यातायात प्रबंधन के लिए वाटर कैनन, टीजीएस दस्ते, अग्निशमन दस्ते को भी तैनात किया गया है। दिल्ली पुलिस ने किसानों के दिल्ली में आने से रोकने के लिए यूपी को दिल्ली से जोड़ने वाले मार्गों डीएनडी, कालिंदी कुंज, चिल्ला बॉर्डर व एनएच-24 पर बैरिकेड लगाकर करीब-करीब बंद कर दिए थे।

अब हवाई अड्डे पर मिलेगी आराम करने की सुविधा, डायल ने किए विशेष इंतजाम

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। हवाई अड्डे पर विशेष जोन बनाए गए हैं, जहां उड़ान में तीन घंटे से अधिक का विलंब होने पर यात्री आराम कर सकेंगे और उड़ान में सवार होने के लिए तुरंत को कम करने के लिए उन्हें सुरक्षा जांच के लिए सामान्य प्रक्रिया से गुजरने की आवश्यकता नहीं होगी। उन्हें सुरक्षा होल्ड एरिया (एसएचए) में वापस जाने की अनुमति देने की अलग प्रक्रिया होगी। एसएचए वह

टर्मिनल पर भी लौट सकेंगे। हवाई सफर करने वाले यात्रियों को कई बार खराब मौसम और तकनीकी कारणों से अपनी उड़ान के लिए घंटों इंतजार करना पड़ता है। इसके चलते उनकी यात्रा बेहद थकाऊ और उबाऊ हो जाती है, लेकिन अब यात्रियों के अनुभव को बेतहर बनाने के लिए दिल्ली हवाई अड्डे पर डायल ने एक पहल शुरू की है। इसके तहत, हवाई अड्डे पर विशेष जोन बनाए गए हैं, जहां उड़ान में तीन घंटे से अधिक का विलंब होने पर यात्री आराम कर सकेंगे और उड़ान में सवार होने के लिए तुरंत टर्मिनल पर भी लौट सकेंगे। हवाई अड्डे का संचालन करने वाले दिल्ली अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा लिमिटेड (डायल) के अनुसार, ऐसे यात्रियों की असुविधा और प्रतीक्षा समय जगह है, जहां सुरक्षा जांच के बाद यात्री उड़ान के लिए इंतजार करते हैं। सरकार ने हवाई अड्डों पर सुरक्षा प्रोटोकॉल में ढील दी है, ताकि कोहरे, मौसम या तकनीकी समस्याओं के कारण तीन घंटे से अधिक देरी या कैंसिल की गई उड़ानों के यात्रियों को उतरने और टर्मिनल पर वापस जाने की अनुमति मिल सके। इसी का अनुपालन करते हुए डायल ने सभी तीन टर्मिनलों - टी 1, टी 2 और टी 3 पर विशेष इंतजाम किए हैं। डायल ने कहा, 250 से 450 वर्ग मीटर तक की इन सुविधाओं में एक बार में 55 से 120 यात्री बैठ सकेंगे। ये विशेष जोन बस बोर्डिंग गेट और टी 3 में कुछ एयरोब्रिज, टी -2 में ट्रांसफर एरिया और टी 1 में बस बोर्डिंग गेट पर स्थित होंगे।

दिल्ली में अकेले विधानसभा चुनाव लड़ेगी आप, केजरीवाल ने किया बड़ा एलान; त्रिकोणीय हुई लड़ाई

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी के संयोजक अरविंद केजरीवाल ने दिल्ली विधानसभा चुनाव को लेकर बड़ा एलान किया है। अरविंद केजरीवाल ने कहा कि वह दिल्ली लोकसभा चुनाव में गठबंधकर करके देख चुके हैं। लोकसभा में कांग्रेस के साथ गठबंधन से कोई फायदा नहीं हुआ था। इसके बाद हरियाणा में सीटों के झगड़े को लेकर गठबंधन नहीं हो सका था।

में अकेले विधानसभा चुनाव लड़ेंगे। किसी भी पार्टी के साथ गठबंधन नहीं करेंगे। आम आदमी पार्टी के संयोजक अरविंद केजरीवाल ने रविवार को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस की। इस दौरान उन्होंने दिल्ली विधानसभा चुनाव को लेकर बड़ा एलान किया है। अरविंद केजरीवाल ने कहा कि वह दिल्ली में अकेले विधानसभा चुनाव लड़ेंगे। किसी भी पार्टी के साथ गठबंधन नहीं करेंगे। हरियाणा चुनाव के बाद आम आदमी पार्टी के कई नेताओं ने कहा था कि दिल्ली में कांग्रेस के साथ आप का गठबंधन नहीं होगा। आप के साथ दिल्ली में आम आदमी पार्टी अकेले चुनाव लड़ेगी, इसके संकेते तो हरियाणा चुनाव के वक्त ही मिल गए थे, जब सीटों को लेकर कांग्रेस और आप के बीच मामला फंस गया था। लोकसभा चुनाव के दौरान आप और कांग्रेस ने दिल्ली और हरियाणा में गठबंधन के तहत चुनाव लड़ा था। दिल्ली में तब भाजपा ने सात सीटें जीती थी। वहीं आप दिल्ली के साथ-साथ हरियाणा में भी अपना खाता नहीं खोल पाई थी। अब विधानसभा चुनाव को लेकर आप ने साफ कर दिया कि वह अकेले चुनाव लड़ेगी।

धामों की धारण क्षमता पता लगाने के लिए अध्ययन शुरू, डब्ल्यूआईआई को सौंपी गई जिम्मेदारी

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। यात्रा के शुरू में बड़ी संख्या में यात्री पहुंचते हैं तो व्यवस्थाओं पर दबाव बढ़ जाता है। व्यवस्थाएं कैसी हों इसके लिए संख्या और उनका प्रबंधन समेत कई बिंदुओं पर समग्र रिपोर्ट देगा। इससे भविष्य में यात्राओं का संचालन और बेहतर करने में मदद मिलेगी। यात्रा के शुरू में बड़ी संख्या

प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ने डब्ल्यूआईआई को धामों में यात्रियों की धारण क्षमता का आकलन अध्ययन कर रिपोर्ट देने को कहा है। वाइल्ड लाइफ इंस्टीट्यूट आफ इंडिया (डब्ल्यूआईआई) ने हेमकुंड साहिब, केदारनाथ, गंगोत्री और यमुनोत्री में श्रद्धालुओं की धारण क्षमता का आकलन का अध्ययन शुरू कर दिया है। संस्थान को यह जिम्मेदारी प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ने दी है। इस अध्ययन में संस्थान धार्मिक स्थल पर श्रद्धालुओं के रुकने की क्षमता, चिकित्सा सुविधा, कूड़ा निस्तारण, खच्चर-घोड़ों की में यात्री पहुंचते हैं तो व्यवस्थाओं पर दबाव बढ़ जाता है। यात्रा की शुरुआत, बरसात में और अंत में कितना दबाव बढ़ता-घटता है, उसके हिसाब से व्यवस्थाएं कैसी हों इसके लिए प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ने डब्ल्यूआईआई को धामों में यात्रियों की धारण क्षमता का आकलन अध्ययन कर रिपोर्ट देने को कहा है। डब्ल्यूआईआई ने उन तीन स्थानों को चुना गया है, जहां पैदल या घोड़े से यात्रा होती है और तुलनात्मक तौर पर कठिन होती है। इसके अलावा गंगोत्री को भी लिया गया है, जहां पर सीधे वाहन से पहुंचा जा सकता है।

अयोध्या से लौट रहे श्रद्धालुओं की बस चौरई के पास अनियंत्रित होकर पलटी, 21 घायल, कई गंभीर

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। बस में सवार सभी यात्री छिंदवाड़ा के ही रहने वाले हैं। 27 नवंबर को सभी छिंदवाड़ा से काशी

विश्वनाथ और अयोध्या दर्शन के लिए निकले थे। आज वापस लौटते समय बस हादसे का शिकार हो गई, जिसमें 21 लोग घायल हो गए। इनमें से कुछ गंभीर हैं। मंगलवार सुबह लगभग 7 बजे छिंदवाड़ा जिले के चौरई में एक बड़ा हादसा हुआ। श्रद्धालुओं से भरी एक बस पलटने से 21 लोग घायल हो गए, इनमें से कुछ की हालत गंभीर बताई जा रही है। हादसा चौरई के केंद्रीय विद्यालय के पास हुआ। जानकारी के अनुसार, सामने से आ रहे ट्राले ने बस को कट मारा, जिससे बस अनियंत्रित होकर सड़क के नीचे पलट गई।बस में सवार सभी यात्री छिंदवाड़ा के निवासी हैं और अयोध्या दर्शन के बाद वापस लौट रहे थे। श्रद्धालु 27 नवंबर को छिंदवाड़ा से काशी विश्वनाथ और अयोध्या दर्शन के लिए निकले थे। हादसे में घायलों को तुरंत प्राथमिक उपचार के लिए सिविल और जिला अस्पताल भेजा गया।घटना स्थल पर नवागत एसपी अजय पांडेय पुलिस टीम के साथ पहुंचे। उन्होंने जानकारी बताया कि हादसे में कुल 21 लोग घायल हुए हैं। 108 एंबुलेंस की मदद से घायलों को अस्पताल भेजा गया है। छिंदवाड़ा एडिशनल एसपी अवधेश प्रताप सिंह ने बताया कि दुर्घटनाग्रस्त बस छिंदवाड़ा की राहुल बस है, जो श्रद्धालुओं को लेकर अयोध्या दर्शन से लौट रही थी। सभी यात्रियों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया है। घायलों को छिंदवाड़ा जिला अस्पताल में इलाज के लिए भेजा गया है। बस अभी भी मौके पर फंसी हुई है।

निकायों की जमीन और दुकान की लीज के लिए शासन की अनुमति जरूरी, शासन ने जारी किए आदेश

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। सचिव शहरी विकास ने स्पष्ट किया है कि निकायों की ओर से लीज नवीनीकरण से

संबंधित प्रस्तावों पर शासन के अनुमोदन के बिना मंजूर नहीं किया जाएगा। उत्तराखंड के 105 नगर निकायों की जमीन व दुकान की लीज के लिए अब शासन की अनुमति जरूरी होगी। सचिव शहरी विकास नितेश झा ने इस संबंध में निकायों को आदेश जारी कर दिया है। लीज का नवीनीकरण भी शासन की अनुमति से ही होगा। सचिव शहरी विकास नितेश झा के मुताबिक, यह संज्ञान में आया है कि कई नगर निगम, नगर पालिका और नगर पंचायत अपने स्वामित्व की जमीनों, भवन आदि को किराए और लीज पर बाजार दर से कम दरों पर आवंटित कर रहे हैं। लीज की ऐसी संपत्तियां, जिनका नवीनीकरण पूरा हो चुका है, उन्हें भी बिना शासन के पूर्व अनुमोदन निकाय के स्तर से बाजार दरों से कम दरों पर नवीनीकरण किया जा रहा है। इससे नगर निकायों को आर्थिक रूप से काफी नुकसान हो रहा है।निकायों को गंभीरता अपनाते हुए सुधारात्मक कदम उठाने की जरूरत है। सचिव शहरी विकास ने 30 अप्रैल 2010 के शासनादेश को याद दिलाते हुए स्पष्ट किया है कि निकायों की ओर से लीज नवीनीकरण से संबंधित प्रस्तावों पर शासन के अनुमोदन के बिना मंजूर नहीं किया जाएगा। निकायों के स्वामित्व या प्रबंधन की संपत्ति जैसे भूमि, व्यावसायिक भूमि आदि को किराए या लीज पर प्रचलित बाजार मूल्य से न्यून दरों पर आवंटित नहीं कर सकेंगे। बल्कि, बाजार मूल्य या उससे अधिक दरों पर आवंटित किया जाएगा।

डिपुओं में जल्द मिलेंगी दालें, चना 17 रुपये महंगी हुई, तेल के लिए अभी इंतजार

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। हिमाचल प्रदेश में राशन डिपुओं से मिलने वाली चना दाल महंगी मिलेगी। इसी सप्ताह डिपुओं में करीब दो माह के बाद दाल की सप्लाई शुरू हुई है। हिमाचल के राशन कार्ड उपभोक्ताओं को अब डिपुओं से मिलने वाली चना दाल महंगी मिलेगी। सरकार की ओर से चना दाल को लेकर नए रेट जारी कर दिए हैं। नए मूल्यों में एपीएल उपभोक्ताओं को चना दाल के लिए 17 रुपये, बीपीएल राशन कार्ड उपभोक्ताओं को 27 और टैक्स देने वाले राशन कार्ड उपभोक्ताओं को 19 रुपये अतिरिक्त चुकाने होंगे। तेल के टेंडर की फाइल सरकार के पास फंसी है। इसी सप्ताह डिपुओं में करीब दो माह के बाद दाल की सप्लाई शुरू हुई है। जबकि उड़द की दाल के लिए सप्लाई ऑर्डर जारी किया गया है। हाल ही में चना दाल को लेकर दाम तय हुए हैं।

इनमें एपीएल और बीपीएल उपभोक्ताओं को 65 और टैक्स देने वाले राशन कार्ड उपभोक्ताओं को 69 रुपये किलोग्राम के दाम चुकाने होंगे। इससे पहले यह दाम क्रमशः 48, 38 और 56 रुपये थे। नए दाम तय होने के बाद बीपीएल उपभोक्ताओं को एक किलोग्राम चना दाल के 27 रुपये अधिक चुकाने होंगे। जबकि एपीएल उपभोक्ताओं को 17 और टैक्सपेयर उपभोक्ताओं को 13 रुपये अधिक चुकाने होंगे। प्रदेश सरकार की ओर से उचित मूल्य ही सहकारी दुकानों के जरिये राशन कार्ड उपभोक्ताओं को सस्ता राशन उपलब्ध करवाने के दावे किए जाते हैं, लेकिन सरकार की ओर से हर बार दालों के दामों में बदलाव किया जा रहा है। सिविल सप्लाई कॉरपोरेशन के क्षेत्रीय प्रबंधक यशपाल शर्मा ने बताया कि चना दाल एक सप्ताह के भीतर जिला के डिपुओं में उपलब्ध हो जाएगी। सरकार की ओर से इस बारे में निर्देश जारी किए हैं।

ऊंचाई वाले इलाकों में आज बारिश-बर्फबारी के आसार, फिर अगले पांच दिन मौसम साफ

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। रविवार को मनाली में धिकतम तापमान 16.4 डिग्री सेल्सियस रहा तो न्यूनतम तापमान 3.1 डिग्री सेल्सियस आंका गया। इसी तरह सुंदरनगर में अधिकतम तापमान 24.9 और न्यूनतम तापमान 4.7 डिग्री सेल्यिस रहा हिमाचल प्रदेश के ऊंचे और मध्य पर्वतीय क्षेत्रों में कुछ स्थानों पर मंगलवार को बर्फबारी और बारिश के आसार हैं। मौसम विज्ञान केंद्र के मुताबिक चार दिसंबर से आठ दिसंबर तक प्रदेशभर में मौसम साफ रहने का पूर्वानुमान है। पिछले दो महीने से अधिक समय से प्रदेश के अधिकतर क्षेत्रों में सूखे जैसी स्थिति बन गई है। सोमवार को शिमला समेत अधिकतर इलाकों में मौसम साफ रहा। प्रदेश में सुबह-शाम शीतलहर तेज हो गई है।रविवार को मनाली में धिकतम तापमान 16.4 डिग्री सेल्सियस रहा तो न्यूनतम तापमान 3.1 डिग्री सेल्सियस आंका गया। इसी तरह सुंदरनगर में अधिकतम तापमान 24.9 और न्यूनतम तापमान 4.7 डिग्री सेल्यिस रहा। सोलन में न्यूनतम तापमान 3.5 डिग्री सेल्सियस और अधिकतम 24 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। इसी तरह से प्रदेश के अलग-अलग क्षेत्रों में न्यूनतम और अधिकतम तापमान में बहुत अधिक अंतर देखा गया। धर्मशाला में अधिकतम तापमान 23.0 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम 9.0 डिग्री सेल्सियस रहा।

लाइब्रेरी में पढ़ने जा रही छात्राओं से छेड़छाड़ अपहरण का प्रयास, लोगों को देख धमकी देकर भागे

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। छात्राओं ने अपनी शिकायत में कहा है कि युवक काफी दिनों से उन्हें परेशान कर रहे हैं। निगाना स्कूल में साथ पढ़ाई करने के दौरान भी ये छेड़छाड़ कर चुके हैं। इस मामले में पंचायत तौर पर माफीनामा हुआ था। कलानौर थाना क्षेत्र में लड़की को छेड़ने व अपहरण की कोशिश करने का मामला सामने आया है। सोमवार सुबह कलानौर गुढ़ान रोड पर दो मनचले युवकों ने लाइब्रेरी में पढ़ने जा रही छात्राओं से अभद्रता की। मनचलों ने छात्राओं के साथ गाली-गलौज भी की। विरोध करने पर युवकों ने उन्हें जबरन गाड़ी में बैठाने का प्रयास किया। यह देख कर आसपास के लोग एकत्रित हो गए। भीड़ को देख युवक छात्राओं को जान से मारने की धमकी देकर फरार हो गए। पुलिस को शिकायत दे दी गई है। छात्राओं ने अपनी शिकायत में कहा है कि युवक काफी दिनों से उन्हें परेशान कर रहे हैं। निगाना स्कूल में साथ पढ़ाई करने के दौरान भी ये छेड़छाड़ कर चुके हैं। इस मामले में पंचायत तौर पर माफीनामा हुआ था। इसके बाद भी ये अपनी हरकतों से बाज नहीं आए हैं। सोमवार सुबह करीब 8 बजे आरोपी ने पाकस्मा निवासी अपने दोस्त के साथ गुढ़ान रोड पर पीछा किया व अपहरण का प्रयास किया। पुलिस ने पीड़ित छात्रा की शिकायत के आधार पर कार्रवाई शुरू कर दी है।

नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र का मानव संसाधन विकास मंत्रालय से मान्यता दिवस की स्थापना दिवस सम्मान समारोह सफलतापूर्वक संपन्न हुआ

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
प्रयागराज। यह कार्यक्रम The journalist welfare association के सहयोग से अयोजित किया गया समारोह की मुख्य अतिथि अनुराधा सुन्दरम (जिला शासकीय अधिवक्ता प्रयागराज) के द्वारा समाज में विभिन्न क्षेत्रों में कार्य कर रहे लोगों को सम्मान दिया गया इस कार्यक्रम में शामिल हुई डॉ प्रभांशु कुमार(इसरो को ऑर्डिनेटर), विशाखा मिश्रा(समाजसेविका), सचिन कुमार(समाजसेवी), अभय मिश्रा(बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ के सहसंयोजक), लायन हिमांशु गुप्ता(समाजसेवी), सुमित कुमार(उत्तर प्रदेश पुलिस), अरुणिमा बहादुर खरे(शिक्षा सहित एवं समाज सेवा), रश्मि तोमर(बैंकिंग और माइक्रोफाइनेंस) सौरभ परिंदा(गिटारिस्ट एवं समाजसेवी), नौशीन बानो(परियोजना प्रबंधन के क्षेत्र में), आचार्य कुमकुम(योग शिक्षिका), रोहित विश्वकर्मा(अंतरराष्ट्रीय कराटे के क्षेत्र में), सृष्टि यादव(समाजसेविका), डॉ प्रमोद कुमार मिश्रा (शिक्षा एवं साहित्य क्षेत्र में) रोहित कुमार(उत्तर प्रदेश पुलिस), शालिनी श्रीवास्तव(शिक्षा विभाग) आकांक्षा पांडे (डिवाइस लाइट परिवार के निदेशक एवं संस्थापक), एवं तमाम मित्र एवं बच्चों के अभिभावक, शामिल होकर बच्चों के द्वारा किए गए सांस्कृतिक कार्यक्रम का आनंद लिया सभी आए हुए सम्मानित मित्रों का हार्दिक आभार हार्दिक अभिनंदन । आप सभी हमारी खुशियों में शामिल हुए इसके लिए आपका बहुत-बहुत धन्यवाद या कार्यक्रम द जर्नलिस्ट वेलफेयर एसोसिएशन की प्रदेश सचिव श्रीमती श्वेता साहू के निर्देशानुसार श्रीमती शालिनी दीक्षित द्वारा संपन्न किया और इस कार्यक्रम में जिला अध्यक्ष स्नेह लता जी का भी सहयोग रहा, और मीडिया प्रभारी शिशिर गुप्ता, राम जी, अभिनव केसरवानी भी उपस्थित रहे कार्यक्रम का समापन दी जर्नलिस्ट वेलफेयर एसोसिएशन के राष्ट्रीय सचिव द्वारा किया गया।

स्वरूप रानी मेडिकल कालेज हॉस्पिटल में मॉक ड्रिल का आयोजन किया गया

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
प्रयागराज। जिसमें सीएमएस स्वरूपरानी मेडिकल कॉलेज और चिकित्सक, मेडिकल नर्सिंग स्टॉप और सुरक्षा कर्मी सम्मिलित हुए मॉक ड्रिल डॉ0आर के पाण्डेय सीएफओ कमिश्नरेट प्रयागराज के निर्देशन में किया गया मॉक ड्रिल में अग्नि सुरक्षा उपकरणों को अग्नि शमन कार्य करते हुए दर्शाया गया इसके पश्चात मेडिकल स्टॉप द्वारा फायर एक्टिगुशर चला कर अग्नि शमन कार्य किया गया सभी को उपकरण चलाने का प्रशिक्षण दिया गया और 06 फायर ऑपरेटर स्वरूपरानी मेडिकल कॉलेज में सीएमएस द्वारा नियुक्त किए गए है उनकी कार्य प्रणाली का भौतिक सत्यापन किया गय बाद में हॉस्पिटल में लगे स्मोक डिडेक्टर , होज रील, फायर हाईडेंट, अलार्म सिस्टम, फायर एक्टिगुशर का फायर आडिट किया गया और निकास मार्ग को देखा गया और निकास मार्ग को सदैव अवरोध मुक्त रखने हेतु निर्देशित किया गया मॉक ड्रिल एफ एस ओ राजेश कुमार अग्नि शमन अधिकारी, राकेश तिवारी, राम शिव यादव, लाल साहब द्वारा किया गया

भारतीय पत्रकार एवं मानवाधिकार परिषद के कार्यालय परिसर में पूर्वांचल के मशहूर बाटी चोखा की दावत का किया गया आयोजन

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
लखनऊ । कृष्णानगर के ओशोनगर साईं चौराहा स्थित भारतीय पत्रकार एवं मानवाधिकार के कार्यालय परिसर में संस्था के राष्ट्रीय अध्यक्ष जे,बी,सिंह ने जिला सचिव राहुल सैनी के साथ मिल कर बाटी चोखा का दावत रखी जिसमे भारी संख्या में आमंत्रित किये गए पत्रकारों ,अधिवक्ताओं, आरटीआई एक्टिविष्टो,और समाज सेवियों ने पहले भगवान शिव का नाट्य रूपांतरण झांकी एवं कलाकारों द्वारा भजन संध्या का आनन्द लिया, जिससे आस पास का माहौल भक्तिमय हो गया ,इसी क्रम में संस्था के प्रदेश सचिव एस के द्विवेदी ने शेरों शायरी से समा बांध दिया ,इसके बाद भारतीय पत्रकार एवं मानवाधिकार परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष जे,बी,सिंह ने आये हुए अतिथियों को अंगवस्त्र भेंट कर मान बढ़ाया आईना पत्रकार एसोसिएशन की महिला प्रकोष्ठ की प्रदेश अध्यक्षा गुरमीत कौर व प्रदेश अध्यक्ष परमजीत सिंह ने भी कार्यक्रम को सफल बनाने में आये हुए अतिथियों को अंगवस्त्र भेंट कर सम्मानित करने में अपनी अहम भूमिका निभाई ,फिर पारम्परिक बिहारी व्यंजन बाटी चोखा जो कि गेहूँ के आटे में सत्तू और टमाटर धनियां मिर्चा की चटनी के साथ तमाम प्रकार के सामग्री मिला कर बनाया जाता हैं यह एक पारम्परिक और पौष्टिक व्यंजन होता है ,जो कि कंडे की धीमी आँच में पकाया जाता है और चोखे के साथ परोसा जाता है ,सभी ने एक साथ मिलकर कर इस व्यंजन का लुफ्त लिया और बड़े प्यार से एक दूसरे को परोस के खिलाया ,स्वाद इतना लजीज था कि सभी उंगलियां चाटते रह गये क्यों कि एक विशेष कारीगर से यह व्यंजन बनवाया गया था ,दो दो पत्रकार संगठनों के एक साथ कार्यक्रम में उपस्थित होने से समाज मे एक बेहतर संदेश गया भले ही संगठन के नाम अलग अलग हो लेकिन काम एक ही है,जरूरत पड़ने पर संगठन एक जुट हो कर कार्य करेंगी और पीड़ितों और जरूरत मन्दो को न्याय दिलाने के लिए हर सम्भव मदद के लिये प्रयास करती रहेगी ,कार्यक्रम का उद्देश्य पत्रकारों के मेल जोल को बढ़ावा देना बढ़ रही नफरत को प्यार में बदलने की कोशिश ,भारतीय पत्रकार एवं मानवाधिकार परिषद के अध्यक्ष कार्यकारिणी सन्दीप सिंह, प्रदेश सचिव एस के द्विवेदी ,मण्डल सँयुक्त सचिव वरिष्ठ पत्रकार सुरेन्द्र कुमार प्रजापती ,दैनिक समाचार पत्र शुभ विकल्प के सम्पादक कैलाश नाथ सैनी जिला सचिव राहुल सदस्य शैलेंद्र सिंह , सैनी व्यापार मण्डल के नेता नुरुल हुदा ,समाज सेवी अमित दुबे,आईना प्रदेश महिला प्रकोष्ठ की गुरमीत कौर प्रदेश अध्यक्ष परम जीत सिंह अधिवक्ता एन पी मिश्रा , विशाल सिंह ,आरटीआई एक्टिविस्ट ,रमेश सिंह ,राजू,सुरजीत,सिंह सहित तमाम प्रतिष्ठित जनो की उपस्थिति कार्यक्रम में गरिमामय रही ,आये हुए सभी अतिथियों का संस्था के राष्ट्रीय अध्यक्ष जे,बी,सिंह ने हाथ जोड़ कर धन्यवाद सहित आभार व्यक्त किया और संस्था से मिलने वाली सभी लाभों के बारे में विस्तार से बात की ।

NAINI INDUSTRIAL TRAINING CENTRE

(Govt. Affiliated, Star Graded, Record Holder, ISO Certified Training Centre)

सर्टिफिकेट इन फायर सेफ्टी एण्ड इण्डस्ट्रीयल सिक्योरिटी

फायर सेफ्टी पर जिसकी कमाण्ड, उसकी ही है ग्लोबल डिमाण्ड

कोर्स के बाद सेफ्टी सुपरवाइजर, फायर प्रोटेक्शन, सिक्योरिटी एडमिनिस्ट्रेटर आदि विभिन्न पदों पर नियुक्ति मिल जाती है।

रिलीफ एजेन्सी N.G.O., डिफेन्स सर्विसेज फायर सर्विस आर्डिनेन्स फैक्ट्री, महानगर पालिका, नगर निगम, एयरपोर्ट, पावर प्लांट, स्टील प्लान्ट, माइनिंग इन्डस्ट्रीज,पेट्रोलियम कम्पनी, फूड इण्डस्ट्रीज, रिफाइनरीज, टेक्सटाइल मिल, टावर कम्पनी, इलेक्ट्रानिक कम्पनी, कोयले की खदानों एवं जहाजों आदि क्षेत्रों में फायर सेफ्टी के जानकारों को बहुत अधिक मौका मिलता है

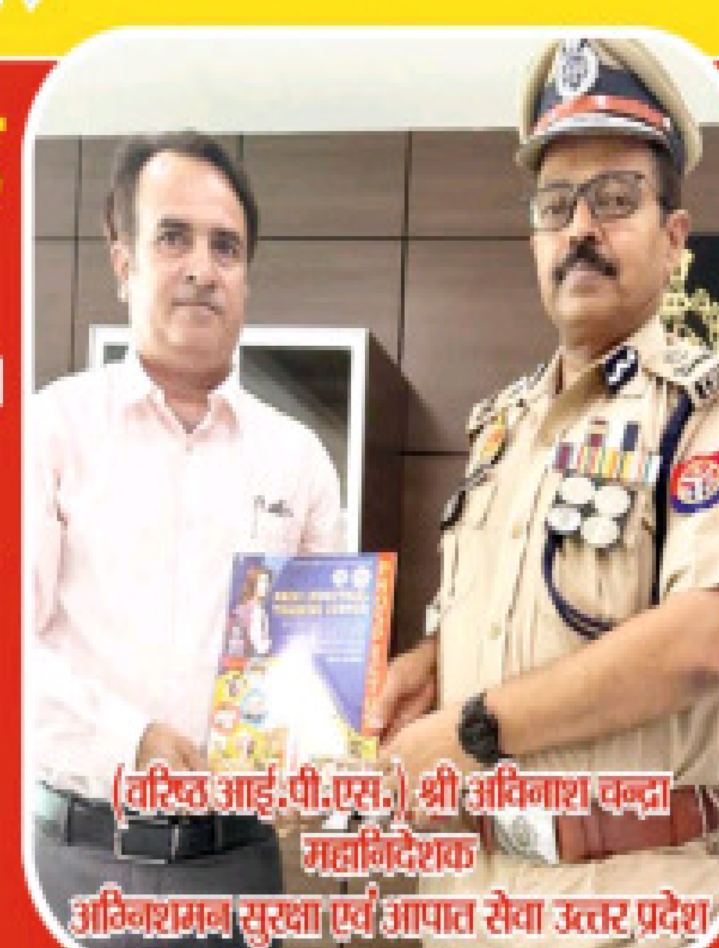

(वरिष्ठ आई.पी.एस.) श्री अविनाश चन्द्रा
महानिदेशक
अग्निशमन सुरक्षा एवं आपात सेवा उत्तर प्रदेश

नोटः फायर सेफ्टी कोर्स करें और देश -विदेश, सरकारी और प्राइवेट क्षेत्रों में अच्छे पैकेज के साथ नौकरी पायें।

Visit us at www.nainiiti.com Call: 9415608710, 7459860480

प्रदेश आस/पास

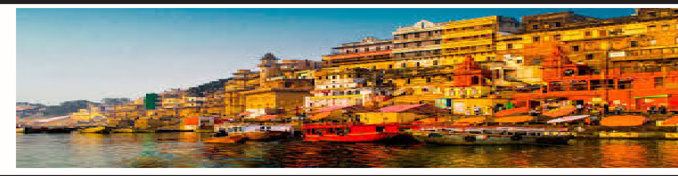

भारत

वाराणसी, रायबरेली

एड्स ह्यूमन इम्यूनोडेफिशियेंसी वायरस जागरूकता शिविर का आयोजन सम्पन्न

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

रायबरेली। माननीय उ0प्र0 राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, लखनऊ के निर्देशानुसार व माननीय जनपद न्यायाधीश/अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, रायबरेली राजकुमार सिंह के दिशा-निर्देशन में आज दिनांक 02.12.2024 को टी0सी0आई0 फाउंडेशन के सहयोग से प्राथमिक विद्यालय जैतूपुर, रायबरेली में विश्व एड्स दिवस विषय पर जिला विधिक सेवा प्राधिकरण रायबरेली द्वारा विशेष जागरुकता शिविर का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में अनुपम शौर्य, अपर जिला जज/सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, रायबरेली के द्वारा शिविर में बताया गया कि एड्स ह्यूमन इम्यूनोडेफिशियेंसी वायरस (एचआईवी) के संक्रमण के कारण होने वाला महामारी का रोग है। आयोजित जागरुकता शिविर में बताया गया कि दुनिया भर के लोग हैं। कई लोग लाल रिबन पहनते हैं, जो एचआईवी से पीड़ित लोगों के प्रति जागरूकता, समर्थन और

एचआईवी से पीड़ित लोगों के लिए समर्थन दिखाने और एड्स से जुड़ी बीमारियों से मरने वालों को याद करने के लिए एकजुट होते हैं। शिविर में बताया गयि 1988 में स्थापित, विश्व एड्स दिवस वैश्विक स्वास्थ्य के लिए पहला अंतर्राष्ट्रीय दिवस था। हर साल, संयुक्त राष्ट्र की एजेंसियाँ, सरकारें और नागरिक समाज एचआईवी से संबंधित विशिष्ट विषयों पर अभियान चलाने के लिए एक साथ आते हैं। टी0सी0आई0 फाउंडेशन की प्रोजेक्ट मैनेजर तमन्ना आफरीन के द्वारा बताया गया कि एड्स के प्रति दुनिया भर में जागरूकता बढ़ाने वाली गतिविधियाँ आयोजित की जाती एकजुटता का सार्वभौमिक प्रतीक है। उक्त जागरुकता कार्यक्रम में विद्वान अधिवक्ता रामकुमार सिंह के द्वारा बताया गया कि विश्व एड्स दिवस आज भी उतना ही प्रासंगिक है जितना कि यह हमेशा से रहा है। यह लोगों और सरकारों को याद दिलाता है कि एचआईवी अभी भी खत्म नहीं हुआ है। उक्त जागरुकता कार्यक्रम में रिजवान अहमद, प्रधानाचार्य प्राथमिक विद्यालय, काउंसलर गीता श्रीवास्तव, ओ0आर0डब्ल्यू अरविन्द सिंह, दीपमाला, पूनम वर्मा व पराविधिक स्वयं सेवक मनोज कुमार प्रजापति व पवन कुमार श्रीवास्तव उपस्थित रहे।

डीएम ने निर्माणाधीन राजकीय सम्प्रेक्षण गृह का निरीक्षण कर दिए आवश्यक निर्देश

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

रायबरेली। जिलाधिकारी हर्षिता माथुर ने जनपद में गोरा बाजार निर्धारित तिथि 31 दिसम्बर, 2024 है। जिलाधिकारी ने निरीक्षण के दौरान निर्मित डारमेट्री पर है, वार्डेन आवास, पम्प रूम, गार्ड रूम का फिनिशिंग कार्य भी प्रगति पर है, जोकि पूर्ण करते

में निर्माणाधीन राजकीय सम्प्रेक्षण गृह जिसकी क्षमता 100 बेड है, का स्थलीय निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान पाया गया कि यह कार्य माह अगस्त, 2017 से प्रगति पर है। इसकी पूर्व में मूल स्वीकृत लागत रू0 5.02 करोड़ थी, जिसमें चहारदीवारी का निर्माण सम्मिलित नहीं था। चहारदीवारी के निर्माण की लागत को सम्मिलित करते हुए कार्य की पुनरीक्षित लागत रू0 06.60 करोड़ है। अन्तिम किस्त कार्यदायी संस्था को मार्च, 2024 में प्राप्त हुई थी। कार्य को पूर्ण करने की में बोर्ड/अल्मारी की कोन-धार तिरछी है, प्रथम तल पर जाने वाली सीढ़ियों की ढाल अधिक होने के कारण उन्हें तोड़कर ठीक कराने, मुख्य भवन के बाहर की तरफ खिड़की के छज्जों की मोटाई एक धार में न होने के कारण ठीक कराने के निर्देश देने के साथ साथ निर्माण कार्य में गुणवत्ता पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिये गये। कार्यदायी संस्था के अधिशाषी अभियन्ता द्वारा अवगत कराया गया कि मुख्य भवन में रंगाई-पुताई, फिटिंग-फिक्सचर्स लगाने का कार्य प्रगति हुए इन्वेन्ट्री 20 दिसम्बर, 2024 तक जिला प्रोबेशन अधिकारी, रायबरेली को उपलब्ध करा दी जायेगी। जिलाधिकारी ने कार्यदायी संस्था के अधिशाषी अभियन्ता को निर्देशित किया कि प्रत्येक परिस्थिति में समस्त कार्यों को पूर्ण कराते हुए इन्वेन्ट्री 20 दिसम्बर 2024 तक जिला प्रोबेशन अधिकारी को प्रेषित करना सुनिश्चित करें। अन्य कराये गये कार्यों की गुणवत्ता पर जिलाधिकारी द्वारा संतोष व्यक्त किया गया।

प्रदेश सरकार ने लाखों युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराया

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

लखनऊ। प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी के नेतृत्व में प्रदेश सरकार युवाओं को रोजगार से लगाने के लिए विशेष कार्य कर रही है। प्रदेश के युवाओं/युवतियों को रोजगार मुहैया कराने के लिए कौशल एवं तकनीकी प्रशिक्षण भी दिया जा रहा है। प्रदेश के लाखों युवक और युवतियां विभिन्न ट्रेड्स में प्रशिक्षण प्राप्त कर रोजगार से लगे हुए है। सेवायोजन विभाग के अधीन संचालित प्रदेश के सेवायोजन कार्यालयों द्वारा रोजगार के इच्छुक अभ्यर्थियों (जॉब सीकर्स) को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने का कार्य किया जा रहा है।आउटसोर्सिंग ऑफ़ मैनपावर के अंतर्गत उत्तर प्रदेश के शासकीय विभागों एवं उसके अधीनस्थ संस्थाओं में मैनपावर के क्रय के लिए भारत सरकार द्वारा विकसित गवर्नमेंट ई-मार्केटप्लेस, जेम की व्यवस्था लागू किये जाने के संबंध में जेम पोर्टल पर पंजीकृत एवं बिड अवार्डी सेवाप्रदाताओं द्वारा सेवायोजन पोर्टल पर पंजीकृत अभ्यर्थियों के चयन हेतु व्यवस्था विकसित की गयी है। जिसके द्वारा सेवा प्रदाता मांग के अनुरूप संबंधित विभागों को कुशल मैन पावर की आपूर्ति करते हुए युवाओं को रोजगार से लगा रहे है। प्रदेश सरकार ने उत्तर प्रदेश कामगार एवं श्रमिक (सेवायोजन एवं रोजगार) आयोग के अंतर्गत शासनादेश संख्या 434/36/-5-2020-8(29)/2020 दिनांक 16 जून, 2020 द्वारा कामगारों/श्रमिकों के सामाजिक एवं आर्थिक सुरक्षा के लिए तथा उनके सर्वांगीण विकास के उद्देश्यों की प्राप्ति हेतु श्रम एवं सेवायोजन विभाग, उ0प्र0 के अंतर्गत उत्तर प्रदेश कामगार एवं श्रमिक (सेवायोजन एवं रोजगार) आयोग का गठन किया गया है। इस आयोग के गठन से श्रमिकों के हित सुरक्षित किए गए है। मिशन रोजगार के अंतर्गत प्रदेश में रोजगार, स्वरोजगार, कौशल प्रशिक्षण तथा अप्रेन्टिसशिप के माध्यम से रोजगार एवं स्वरोजगार के विशेष अवसर सृजन किये जाने के उद्देश्य से प्रदेश सरकार द्वारा दिनांक- 05 दिसम्बर, 2020 से ''मिशन रोजगार'' अभियान चलाया जा रहा है जिसके अंतर्गत अधिक से अधिक रोजगार देने की व्यवस्था की जा रही है। सेवा मित्र के अंतर्गत कौशल प्राप्त कामगारों को स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने एवं जनसामान्य स्थानीय सेवायें (प्लम्बर, कारपेंटर, पेंटर, इलेक्ट्रिशियन, ड्राईवर आदि) प्रदान हेतु सेवा मित्र पोर्टल की व्यवस्था सेवायोजन विभाग द्वारा विकसित की गयी है। सेवा मित्र व्यवस्था की प्रगति में कुशल कामगारों की संख्या 50,756, सेवा प्रदाताओं की संख्या 965 तथा सेवा मित्रों की संख्या 4890 है। प्रदेश सरकार प्रदेश के साथ-साथ विदेशों में भी रोजगार उपलब्ध करा रही है। सेवायोजन विभाग द्वारा प्रदेश के बेरोजगारों को विदेशों में रोजगार उपलब्ध कराने की कार्यवाही प्रारम्भ की गयी है। इजराइल में निर्माण श्रमिकों की मांग के अंतर्गत प्रदेश सरकार द्वारा इजराइल सरकार की संस्था पी0आई0बी0ए0 के सहयोग के साथ लगभग 9 हजार निर्माण श्रमिकों को इजराइल भेजे जाने हेतु टेस्टिंग की कार्यवाही की गयी है। जिसमें सफल अभ्यर्थियों में से 9 हजार कुशल श्रमिकों को अब तक इजराइल भेजा जा चुका है। भारत-इजराइल ड्राइव 3.0 के तहत 05 हजार कुशल श्रमिकों को चयन करते हुए इजराइल भेजने के कार्यवाही चल रही है। कुशल श्रमिकों को इजराइल में भवन निर्माण, मॉल प्रबंधन, तकनीकी कार्यों जैसे क्षेत्रों में रोजगार उपलब्ध कराया गया है। श्रमिकों को इजराइल में कार्य करने पर रू0 1.25 लाख से रू0 1.50 लाख तक मासिक वेतन मिल रहा है। प्रदेश के सेवायोजन कार्यालयों द्वारा रोजगार मेलों के माध्यम से रोजगार के इच्छुक अभ्यर्थियों को निजी क्षेत्र में रोजगार के अवसर उपलब्ध कराये जाने का कार्य किया जा रहा है। बेरोजगारों को कैम्पस प्लेसमेंट व डायरेक्ट हायरिंग के माध्यम से रोजगार के अवसर उपलब्ध कराये जाने की व्यवस्था एकीकृत पोर्टल पर विकसित करायी गयी है। वर्ष 2017 से अगस्त, 2024 तक कुल 8629 रोजगार मेलों का आयोजन करते हुए 11,03,601 अभ्यर्थियों का चयन कर निजी क्षेत्रों में नौकरियां उपलब्ध कराई गई है।

डीएम की अध्यक्षता में पल्स पोलियों अभियान को सफल बनाने हेतु बैठक सम्पन्न

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

रायबरेली। जिलाधिकारी हर्षिता माथुर की अध्यक्षता की पल्स पोलियो अभियान 2024 को सफल बनाने हेतु कलेक्ट्रेट सभागार में एक बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी अर्पित ने सम्बन्धित अधिकारियों से कहा कि उक्त अभियान को सफल बनाने हेतु फील्ड पर जितनी अच्छी एक्टिविटी होगी उतने ही बच्चों के छूटने की सम्भावना कम होगी। उन्होंने कहा कि ज्यादा से ज्यादा से बच्चों को बूथ पर लाकर कवर

उपाध्याय, मुख्य चिकित्साधिकारी रमेष चन्द्रा, जिला विकास अधिकारी अरुण कुमार सहित सम्बन्धित अधिकारीगण उपस्थित रहें बैठक में 08 दिसम्बर 2024 से शुरू हो रहे पल्स पोलियों अभियान को सफल बनाने के लिए विस्तारपूर्वक चर्चा के साथ की गई तैयारियों की समीक्षा की गई। पल्स पोलियो अभियान 08 दिसम्बर 2024 को आयोजन किया जायेगा, जिसमें स्कूल/आंगनबाड़ी केन्द्रों में आगंनबाड़ी कार्यकत्री व आषा वर्करों द्वारा 05 वर्ष तक के बच्चों को बूथ पर लाकर पल्स पोलियों की खुराख दिलवाई जायेगी तथा जो बच्चे बूथ पर नही आ पायेगे उनके लिये सोमवार से शुक्रवार तक गठित टीम द्वारा घर-घर जाकर पल्स पोलियो की खुराब पिलाई जायेगी एक टीम द्वारा 100 से 120 घरों का भम्रण कर 05 वर्ष के बच्चों को पोलियो की खुराख पिलाई जायेगी, जो बच्चे छूट जायेगे उनके लिए शनिवार को माईक्रों प्लान तैयार किया जायेगा व सोमवार को टीम छूटे हुए बच्चों के घर जाकर पल्स पोलियों की खुराख दी जायेगी। जिलाधिकारी कराये इसके लिए आंगनबाड़ी कार्यकत्री व आषा वर्कर अपनी सक्रिय भूमिका निभायें। उन्होंने कहा कि ज्यादातर बूथ स्कूल/आंगनबाड़ी केन्द्रों पर लगते है अभियान के दिन स्कूल/आंगनबाड़ी केन्द्र खुलवाकर बूथ लगवाना सुनिश्चित करायें। जिलाधिकारी ने खण्ड विकास अधिकारी को निर्देश दिये कि ब्लॉक स्तर ब्लॉक टास्क फोर्स की बैठक कर व्यापक तैयारी कर ली जाये। उन्होंने कहा कि अभियान का व्यापक प्रचार प्रसार करायें, जिससे लोगों को अभियान की जानकारी हो सके व लोग उसका लाभ उठा सके। बैठक में डॉ अरुण कुमार जिला प्रतिरक्षण अधिकारी, विनय, कुमार सिंह, जिला कार्यक्रम अधिकारी विनय कुमार सिंह, जिला विद्यालय निरीक्षक संजीव कुमार सिंह, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी शिवेन्द्र प्रताप सिंह, जिला स्वास्थ्य शिक्षा अधिकारी डी0एस0 अस्थाना, डॉ0 राकेश यादव, वंदना त्रिपाठी, यूनिसेफ, डॉ छोटे लाल विश्व स्वास्थ्य संगठन के प्रतिनिधि उपस्थित रहें।

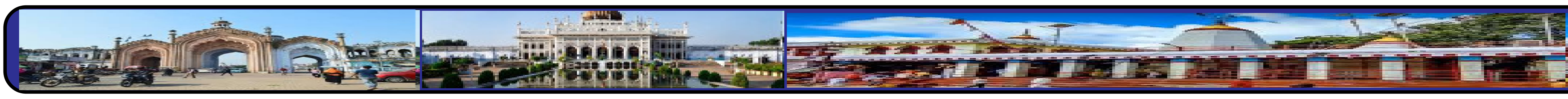

दो दिवसी जनपद स्टारी स्काउट/ गाइड का शुभारंभ

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र। सोमवार को आदर्श इंटर कॉलेज राबर्ट्सगंज सोनभद्र में 31 वीं जनपदीय स्काउट/ गाइड एवं द्वितीय सर्वोत्तम कैडेट रैली 2024-25 के अध्यक्ष जयराम सिंह जिला विद्यालय निरीक्षक सोनभद्र तथा मुख्य अतिथि अजीत रावत ब्लॉक प्रमुख राबर्ट्सगंज और जिला रैली आयोजक संतोष कुमार मौर्य के द्वारा रैली के गुब्बारे को छोड़कर रैली का उद्घाटन किया गया। रैली में विशिष्ट अतिथि के रूप में उमाकांत मिश्रा, सुशील चौबे, विवेकानंद मिश्र, रमाकांत कुशवाहा, उमाकांत सिंह, सुनील कुमार राव उपस्थित रहे। रैली में विभिन्न विद्यालयों के प्रधानाचार्य, प्रधानाध्यापक, स्काउटर और गाइडर अपने स्काउट गाइड के साथ प्रतिभाग किए। इस 31 में जनपद स्काउट गाइड एवं सर्वोत्तम कैडेट रैली 2024 में आदर्श इंटर कॉलेज राबर्ट्सगंज सोनभद्र, उच्च प्राथमिक विद्यालय घुवास, कंपोजिट विद्यालय रूरहवा,पार्वती बालिका इंटर कॉलेज जयमोहरा,आदिवासी इंटर कॉलेज सिलथम ,ईश्वर प्रसाद इंटर कॉलेज घोरावल,सोनांचल इंटर कॉलेज घोरावल,किसान इंटर कॉलेज खलियारी, रामकेश इंटर कॉलेज पुरना, गुरुद्वारा इंटर कॉलेज चोपन, चंद्रगुप्त मौर्य इंटर कॉलेज मधुपुर ,राजकीय हाई स्कूल दीघुल,कंपोजिट विद्यालय दीघुल ,ज्ञानदीप उच्चतर माध्यमिक विद्यालय दुद्धी की कुल 25 टीमों ने प्रतिभाग किया। अतिथियों का स्वागत डॉ प्रबोध कुमार सिंह जिला मुख्यायुक्त भारत स्काउट गाइड उत्तर प्रदेश सोनभद्र व रैली संयोजक संतोष कुमार मौर्या द्वारा किया गया। रैली का संचालन सुनील कुमार सिंह जिला संगठन आयुक्त जनपद सोनभद्र द्वारा बहुत ही सफलतापूर्वक किया गया जिसमें निर्णायक के रूप में सैयद अनवर हुसैन जिला प्रशिक्षण आयुक्त स्काउट सोनभद्र , नंदकिशोर जिला रिसोर्स पर्सन एडल्ट , सुनील कुमार सिंह जिला संगठन आयुक्त स्काउट , नीरा सिंह जिला प्रशिक्षण आयुक्त गाइड ,शिवकुमार , शुभम कुमार सोनी अध्यक्ष युवा समिति , सुनील कुमार शर्मा,मदन सिंह, सत्यनारायण कन्नौजिया जिला आयुक्त स्काउट , दयाशंकर स्काउटर , प्रमोद कुमार, श्रीमती अनीता ,शैलेंद्र कुमार मिश्रा, दीपक मोदनवाल स्काउटर, दिलदार सिंह स्काउटर उपस्थित रहे। सभी टीमों के द्वारा एक से बढ़कर एक प्रस्तुतिकरण किया गया है। जिला विद्यालय निरीक्षक द्वारा बच्चों को आशीर्वचन के रूप में आशीर्वाद दिया गया के कार्य समाज में करना चाहिए आपस में एकता सहजता और सेवाभाव का भाव उत्पन्न होता है।

दिव्यांग बच्चों को शिक्षा दे रही हैं क्रिधा फाउंडेशन

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र। मंगलवार को दिव्यांग दिवस पर दिव्यांग बच्चों ने क्रिया रैप डान्स के साथ अन्य कार्यक्रम में प्रतिभाग किया। क्रिधा फाउंडेशन द्वारा संचालित दिव्यांग बच्चों के लिए शिक्षा कार्यक्रम में आज दिव्यांग दिवस के अवसर पर विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। एनजीओ क्रिधा फाउंडेशन के मुखिया ने बताया कि बगैर किसी सरकारी मदद से दिव्यांग बच्चों को शिक्षा के साथ थिरेपी भी दी जा रही है। अभिभावक कुछ फीस के रूप में मदद कर देते हैं। पूर्व विधायक ने कहा कि दिव्यांग जनों के लिए कोई सरकार काम नहीं करती हैं। सभी सरकारों में कमी है कि वह 18 वर्ष होने पर बच्चों को पेंशन व अन्य सहायता प्रदान करते हैं। एक ऐसी पॉलिसी बन जाए कि दिव्यांग बच्चों को शुरुआत से ही मदद हो जाए तो उनका जीवन सुधार जाएगा। अविनाश कुशवाहा पूर्व विधायक क्रिधा फाउंडेशन के मुखिया ने कहा कि हमारा उद्देश्य दिव्यांग बच्चों को शिक्षा और प्रशिक्षण प्रदान करना है, ताकि वे अपने जीवन में स्वतंत्र और आत्मनिर्भर बन सकें। हमारे संस्थान में दिव्यांग बच्चों को शिक्षा के साथ थिरेपी भी दी जाती है, जिससे वे अपनी शारीरिक और मानसिक क्षमताओं को विकसित कर सकें। चौहान (मुखिया क्रिधा फाउंडेशन) इस अवसर पर क्रिधा फाउंडेशन की ओर से दिव्यांग बच्चों को पुरस्कार और प्रमाण पत्र भी प्रदान किए गए। क्रिधा फाउंडेशन के मुखिया ने कहा कि हम दिव्यांग बच्चों को शिक्षा और प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। हमारा उद्देश्य दिव्यांग बच्चों को स्वतंत्र और आत्मनिर्भर बनाना है।

गैंगस्टर एक्टः दोषी गैंग लीडर हार्डकोर नक्सली मुन्नू पाल को 10 वर्ष की कठोर कैद

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र। विशेष न्यायाधीश गैंगेस्टर कोर्ट सोनभद्र अर्चना रानी की अदालत ने गैंगस्टर एक्ट के मामले में मंगलवार को सुनवाई करते हुए साढ़े 16 वर्ष से जेल में निरुद्ध गैंग लीडर हार्डकोर नक्सली मुन्नू पाल को दोषसिद्ध पाकर 10 वर्ष की कठोर कैद एवं 10 हजार रूपये अर्थदंड की सजा सुनाई। अर्थदंड न देने पर एक माह की अतिरिक्त कैद भुगतनी होगी। जेल में बिताई अवधि सजा में समाहित होगी। इसके विरुद्ध गैंग चार्ट में सोनभद्र व चंदौली जिले के विभिन्न थानों में हत्या समेत 10 मुकदमें दर्ज हैं। अभियोजन पक्ष के मुताबिक प्रभारी निरीक्षक जैनेंद्र कुमार सिंह ने चोपन थाने में दी तहरीर में अवगत कराया था कि 15 अप्रैल 2008 को पुलिस बल के साथ देखभाल क्षेत्र में था तो पता चला कि 25 फरवरी 2008 को गिरफ्तार हार्डकोर नक्सली मुन्नू पाल उर्फ रमेश उर्फ कवि जी उर्फ पुत्र भरत पाल निवासी विशेश्वरपुर, थाना नौगढ़, जिला चंदौली का एक सक्रिय गैंग है, जिसका वह गैंग लीडर है। इसके अलावा गैंग के सक्रिय सदस्यों के साथ मिलकर आर्थिक लाभ के लिए वर्ष 2004 से ही सोनभद्र व चंदौली जिले के विभिन्न थाना क्षेत्रों में अपराध करता है और सदस्यों से करवाता है। इनके विरुद्ध हत्या, डकैती, हत्या का प्रयास समेत 10 मुकदमा दर्ज हैं। लोगों में भय पैदा कर आर्थिक लाभ हेतु कार्य करना इनका एकमात्र कार्य है। यहीं वजह है कि इनके विरुद्ध कोई भी मुकदमा लिखवाने अथवा गवाही देने की जुर्रत नहीं करता है। जिसकी वजह से इनका वर्चस्व कायम है। इस तहरीर पर चोपन थाने में गैंगस्टर एक्ट में एफआईआर दर्ज किया गया था। विवेचना के उपरांत पर्याप्त सबूत मिलने पर विवेचक ने कोर्ट में गैंग लीडर हार्डकोर नक्सली मुन्नू पाल के विरूद्ध चार्जशीट दाखिल किया था। मामले की सुनवाई करते हुए कोर्ट ने दोनों पक्षों के अधिवक्ताओं के तर्को को सुनने, गवाहों के बयान एवं पत्रावली का अवलोकन करने पर दोषसिद्ध पाकर दोषी गैंग लीडर हार्डकोर नक्सली मुन्नू पाल को 10 वर्ष की कठोर कैद एवं 10 हजार रूपये अर्थदंड की सजा सुनाई। अर्थदंड न देने पर एक माह की अतिरिक्त कैद भुगतनी होगी। जेल में बितायी अवधि सजा में समाहित होगी। अभियोजन पक्ष की ओर से सरकारी वकील धनंजय शुक्ला ने बहस की।

राष्ट्रीय उपलब्धि सर्वे के लिए 19 विद्यालयों की सूची जारी

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
मिर्जापुर। राष्ट्रीय उपलब्धि सर्वे (नैस) के लिए जिले के 19 विद्यालयों की सूची जारी की गई है। सर्वे चार दिसंबर को होगा। नियमानुसार इन 19 विद्यालयों में से किसी एक विद्यालय का चयन सर्वे के लिए अंतिम क्षणों में किया जाएगा। उसी विद्यालय के कक्षा तीन से लेकर कक्षा 10 तक के विद्यार्थियों का सर्वे किया जाएगा। यू-डायस पोर्टल पर जिले में 3500 शिक्षण संस्थान अपलोड हैं। इनमें 1806 परिषदीय विद्यालयों के अलावा माध्यमिक विद्यालय, मदरसा व तकनीकी संस्थान शामिल हैं। नैस के लिए इन सभी शिक्षण संस्थाओं के नाम उपलब्ध कराए गए हैं। सर्वे इन्हीं में से अंतिम समय में किन्हीं एक का किया जाएगा। बीएसए अनिल कुमार वर्मा ने बताया कि नैस के लिए सभी शिक्षण संस्थाओं को जानकारी दे दी गई है। सभी संस्थाओं में तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। उन्होंने बताया कि अंतिम समय में जिस संस्था का चयन किया जाएगा, उसकी जानकारी भी संबंधित संस्था को दे दी जाएगी। हालांकि, उस संस्था को भी यह सूचना समय से ही अलग से भेजी जाएगी। इस सर्वे से संस्था में हो रही पढ़ाई व विद्यार्थियों के मानसिक स्तर का आंकलन कर उसको और बेहतर बनाने के लिए काम किया जाएगा।

नाले के पास दिखा मगरमच्छ, सिरसी बांध में छोड़ा

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
पटेहरा। सिरसी वन रेंज के रैकल गांव में कोल बस्ती के समीप स्थित नाले के पास सोमवार को छह फीट लंबा मगरमच्छ दिखने पर ग्रामीण भयभीत हो गए। फोन पर सूचना मिलने पर मौके पर पहुंचे वन कर्मियों ने ग्रामीणों की मदद से मगरमच्छ को पकड़कर सिरसी बांध में छोड़ दिया। मगरमच्छ पकड़े जाने पर कोल बस्ती के लोगों ने राहत की सांस ली। मगरमच्छ पकड़ने वालों में वन दरोगा रामजी, वन रक्षक राज कुमार आदि शामिल रहे। वन क्षेत्राधिकारी गिरिराज ने बताया कि रैकल गांव में मिला लगभग छह फीट लंबा मगरमच्छ नर प्रजाति का था। उसे सिरसी बांध में सुरक्षित छोड़ दिया गया।

मां शीतला के दर्शन पूजन के लिए उमड़ी भीड़

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
हलिया। प्रसिद्ध 15 दिवसीय गड़बड़ा धाम मेला के पहले दिन सोमवार को श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी। देर शाम तक एक लाख से ज्यादा श्रद्धालुओं ने मां शीतला के दर्शन-पूजन किए। सोमवार को भोर से ही लोग गड़बड़ा धाम में पहुंचने लगे। ज्यादातर श्रद्धालुओं ने सेवटी नदी में स्नान कर माला-फूल, नारियल, चुनरी हाथ में लेकर कतारबद्ध होकर माता शीतला के दर्शन-पूजन किए। माता के जयकारे से परिसर गुंजायमान रहा। मेले में पहुंचीं महिला श्रद्धालुओं ने कड़ाही चढ़ाकर पूरी और हलुआ बनाकर माता को भोग लगाया। दर्शन-पूजन से पहले कई लोगों ने मंदिर परिसर में छोटे बच्चों का मुंडन कराया। नव दंपती मंदिर परिसर में सत्यनारायण भगवान की कथा सुनने में व्यस्त रहे। दर्शन-पूजन के बाद श्रद्धालुओं ने गंवई मेले में भ्रमण कर बांस से बने बर्तन, लाई, चिउड़ा, मिठाई आदि की खरीदारी की। मेले में लगे झूले बच्चों के आकर्षण का केंद्र रहे। मंदिर परिसर में सफाई की व्यवस्था न होने से फिसलन बनी रही। एसडीएम आशाराम वर्मा के निर्देश के बाद भी सेवटी नदी पर बने रपटे पर बिखरी हुई गिट्टियां नहीं हटाई गईं। लोगों को नंगे पत्थरों से होकर आवागमन करना पड़ा।

हृदय रोग के चार से पांच मरीज रोज पहुंच रहे अस्पताल

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र। जिले में सर्दी बढ़ने के साथ ही दिल भी धोखा देने लगा है। ठंड में हृदय की धमनियां के सिकुड़ने के कारण हार्ट अटैक का खतरा मंडराने लगा है। राजकीय मेडिकल कॉलेज के अस्पताल में सामान्य दिनों में औसतन दो मरीज रोज आते थे, लेकिन इस समय रोज हृदय रोग के चार से पांच मरीज गंभीर हालत में पहुंच रहे हैं। विशेषज्ञों की मानें तो सर्दी के मौसम में हार्ट अटैक से बचने के लिए सावधानी अवश्य बरतें।

नकाबपोश बदमाश पेट्रोल पंप पर छह लाख लूटकर फरार

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
लालगंज/मिर्जापुर। नकाबपोश बदमाश एक ही मालिक के दो जिलों में स्थित पेट्रोल पंपों पर लूट की घटना को अंजाम देने पहुंचे। बस्तरा पांडेय गांव के पास स्थित ज्ञान गंगा पेट्रोल पंप पर सोमवार को सुबह चार बजे पहुंचे दो नकाबपोश बदमाश कर्मियों को असलहा सटाकर दो दिन की बिक्री के रखे छह लाख रुपये से ज्यादा कैश लूटकर फरार हो गए। इससे कुछ घंटे पहले रविवार को रात करीब डेढ़ बजे औराई स्थित पेट्रोल पंप पर बदमाशों ने लूट की कोशिश की। पुलिस अधीक्षक ने एसओजी और सर्विलांस टीम के साथ सीसी फुटेज की छानबीन की। शहर कोतवाली क्षेत्र के सिविल लाइंस निवासी सूरज शंकर मिश्र का भदोही के औराई और मिर्जापुर के लालगंज के बस्तरा पांडेय में पेट्रोल पंप है। रविवार को रात करीब डेढ़ बजे बाइक सवार दो बदमाश पहले औराई स्थित शिवगंगा फिलिंग - स्टेशन पर पर पहुंचे। वहां कर्मचारियों की सतर्कता के चलते बदमाश लूट की घटना को अंजाम नहीं दे सके। कर्मचारियों ने पत्थर लेकर बदमाशों को दौड़ाया तो वे फरार हो गए। इसके बाद बदमाश सोमवार को सुबह चार बजे के करीब लालगंज स्थित ज्ञान गंगा फिलिंग स्टेशन पहुंचे। पेट्रोल पंप पर दो सेल्समैन और कैशियर मौजूद थे। यहां दो नकाबपोश बदमाश कमरे में घुस कर सेल्समैन और कैशियर बसंत लाल को असलहा सटाकर वहां रखे दो दिन की बिक्री के छह लाख रुपये लूटकर चले गए। लूट की घटना को अंजाम देने के बाद बदमाश मध्य प्रदेश की ओर फरार हो गए। लालगंज की तरफ बने ओवरब्रिज से होकर आए बदमाशों ने पेट्रोल पंप से 100 मीटर पहले ही बाइक खड़ी कर दी थी। पैदल पंप पर पहुंचकर घटना को अंजाम दिया। घटना के बाद कर्मियों ने पेट्रोल पंप मालिक सूरज शंकर मिश्र और पुलिस को घटना की सूचना दी। सूचना पर पुलिस अधीक्षक अभिनंदन, एएसपी ऑपरेशन ओपी सिंह, सीओ लालगंज व थानाध्यक्ष लालगंज ने मौके पर पहुंच कर जांच पड़ताल की। सर्विलांस और एसओजी टीम सीसी फुटेज के माध्यम से छानबीन में जुटी हैं। प्रबंधक मुकुंद तिवारी ने थाने में तहरीर दी है। पुलिस अधीक्षक अभिनंदन का कहना है कि ज्ञान गंगा पेट्रोल पंप पर दो बदमाश असलहा दिखाकर कैश काउंटर में रखे साढ़े तीन लाख रुपये लूटकर भाग गए। सीसी फुटेज से बाइक के आने-जाने के रूट की जानकारी कर ली गई है। मुकदमा दर्ज कर बदमाशों को पकड़ने के लिए टीमों का गठन किया गया है। दोनों बदमाशों ने इससे पहले उसी मालिक के औराई स्थित पेट्रोल पंप पर भी लूट का प्रयास किया। टीमें वहां भी भेजी गई हैं। मामले की जांच की जा रही है। जल्दी ही इसका खुलासा होगा।

भाजपा अध्यक्ष व विधायक के साथ देखा गया साबरमती फिल्म

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र। मंगलवार को रावटसगंज नगर स्थित सलीमा हाल में गोधरा कांड को लेकर आधारित फिल्म साबरमती को देखने भाजपा जिला अध्यक्ष नंदलाल गुप्ता के नेतृत्व में घोरावल विधायक डॉक्टर अनिल कुमार मौर्य एवं सदर ब्लाक प्रमुख अजीत रावत कार्यकर्ताओं के साथ पहुंचे वहीं भाजपा जिला अध्यक्ष नंदलाल गुप्ता ने बताया कि गोधरा कांड के पूरी कहानी तथ्य के साथ आम जनमानस के बीच आ चुकी है फिल्म के माध्यम से जिसको हर घर हर व्यक्ति देखकर उसे घटना से व्यक्तिगत रूप हो सकता है वहीं घोरावल विधायक डॉ अनिल कुमार मौर्य ने बताया कि पीएम मोदी व सीएम योगी द्वारा फिल्म देखकर हर व्यक्ति से अपील की कि वह जाकर यह फिल्म देखें और घटना के जाने । सदर ब्लाक प्रमुख अजीत रावत वह पूर्व भाजपा जिला अध्यक्ष अशोक मिश्रा अजीत चौबे ने बताया कि आम जनमानस के बीच फैलाई गई गलतफहमियां व कई चर्चाओं का समाधान कर रहा या फिल्म। इस मौके पर सुरेश शुक्ला ,सुरेंद्र, घमंडी, बृजेश श्रीवास्तव ,गुड़िया त्रिपाठी, आशीष केसरी ,छोटू सहित अन्य कार्यकर्ता मौजूद रहे।

अधिवक्ता दिवस के रूप में मनाया गया डॉ.राजेंद्र प्रसाद का जन्म दिवस

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र।सोनभद्र बार एसोसिएशन सोनभद्र द्वारा मंगलवार को अध्यक्ष पूनम सिंह की अध्यक्षता में मुख्य अतिथि अपार जनपद न्यायाधीश अमित वीर सिंह व अन्य न्यायाधीश के साथ भारत के प्रथम राष्ट्रपति डॉ राजेंद्र प्रसाद की मूर्ति पर माला अर्पण कर जयंती अधिवक्ता दिवस के रूप में मनाया गया ! सभागार में सोनभद्र बार एसोसिएशन सोनभद्र के अध्यक्ष पूनम सिंह एड ने कहा कि प्रथम राष्ट्रपति डाक्टर राजेंद्र प्रसाद की सफलता के पीछे नियमों का कठोरता से पालन तथा कानून का सम्मान करना प्रमुख था। पूनम सिंह एड ने कहा कि बार और बैंच एक रथ के दो पहिये हैं। एक पहिया छोटा और दूसरा बड़ा होगा तो उससे जनता को न्याय नहीं मिल सकता। बार और बैंच दोनों को आपस में सामंजस्य बनाकर काम करना चाहिए। वरिष्ठ अधिवक्ता हरगोविंद चौबे एड ने कहा कि भारत के प्रथम राष्ट्रपति डाक्टर राजेंद्र प्रसाद के जन्मदिवस को अधिवक्ता दिवस के रूप में मनाया जाता है। वक्ताओं ने उनके सिद्धांतों तथा आदर्शों पर चलने का संकल्प लिया।अवसर पर महामंत्री राजीव सिंह गौतम वरिष्ठ उपाध्यक्ष लालता पांडे भोला सिंह यादव अरुण प्रताप सिंह चंद्र प्रकाश द्विवेदी सुरेंद्र पांडे ओमप्रकाश पाठक रमेश राम पाठक महेंद्र शुक्ला अरुण मिश्रा योगेश द्विवेदी ओम कुमार अनिल पांडे अखिलेश पांडे सतीश पांडे गीता गौर सहित आदि लोग मौजूद रहे आदि लोग उपस्थित थे !

यहां तो अस्पताल ही बीमार हैं, इलाज न मिलने पर मरीज को ठेले पर ले गए घर वाले, अब वैद्य के सहारे

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र। रॉबट्र्सगंज कोतवाली क्षेत्र के पवर गांव निवासी संजय की पत्नी छठ पूजा के दिन से गायब थीं। इस बीच उनका मानसिक संतुलन बिगड़ गया। वह रॉबट्र्सगंज में इधर-उधर भोजन मांग कर गुजारा करने लगीं। लकवे का भी शिकार हो गईं। किसी ने उन्हें मेडिकल कॉलेज के अस्पताल में भर्ती करा दिया। यूपी के सोनभद्र मेडिकल कॉलेज से संबद्ध जिला अस्पताल में अव्यवस्थाएं थमने का नाम नहीं ले रही हैं। यहां कई दिनों से भर्ती लकवा ग्रसित मरीज को उपचार न मिलने पर परिजन ठेले से उसे घर ले गए। अब वैद्य के यहां उपचार कराने की तैयारी है। रॉबट्र्सगंज कोतवाली क्षेत्र के पवर गांव निवासी संजय की पत्नी छठ पूजा के दिन से गायब थीं। इस बीच उनका मानसिक संतुलन बिगड़ गया। वह रॉबट्र्सगंज में इधर-उधर भोजन मांग कर गुजारा करने लगीं। लकवे का भी शिकार हो गईं। किसी ने उन्हें मेडिकल कॉलेज के अस्पताल में भर्ती करा दिया। यहां पांच-छह दिनों ने उसे बेहतर उपचार के बजाय जनरल वार्ड के पीछे शौचालय के पास स्थित कबाड़ कक्ष में लावारिस के रूप में भर्ती किया गया। बेहतर इलाज नहीं मिल पा रहा था।जानकारी होने पर परिजन सोमवार को अस्पताल पहुंचे। वहां उपचार न होने के कारण लाचारी में छुट्टी कराई।

स्पोर्ट्स

ऑस्ट्रेलिया के लिए रवाना हुए मुख्य कोच गौतम गंभीर, मंगलवार को एडिलेड में भारतीय टीम से जुड़ेंगे

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। गंभीर कैनबरा में ऑस्ट्रेलिया प्रधानमंत्री एकादश के खिलाफ हुए अभ्यास मैच में उपस्थित नहीं थे, लेकिन वह दूसरे वह दूसरे टेस्ट से पहले टीम से जुड़ जाएंगे। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच दूसरा टेस्ट एडिलेड में छह दिसंबर से होना है। यह पिंक बॉल टेस्ट है। गंभीर की अनुपस्थिति में कमान संभालने के लिए तैयार हैं। रोहित की अनुपस्थिति में जसप्रीत बुमराह ने पहले मैच में कप्तानी की थी और भारत ने मैच 295 रनों से जीता था। रोहित के अलावा शुभमन

टेस्ट से पहले टीम से जुड़ जाएंगे। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच दूसरा टेस्ट एडिलेड में छह दिसंबर से होना है। भारतीय टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर मंगलवार को एडिलेड में भारतीय टीम के साथ दोबारा जुड़ जाएंगे। ईएसपीएनक्रिकइंफो की रिपोर्ट के अनुसार, गंभीर जो निजी कारणों के चलते कुछ दिन पहले स्वदेश लौटे थे, वे ऑस्ट्रेलिया के लिए रवाना हो गए हैं। गंभीर कंगारू टीम के खिलाफ पर्थ में खेले गए पहले टेस्ट मैच के दौरान टीम के साथ थे, लेकिन मैच खत्म होने के बाद वह भारत लौट आए थे। गंभीर कैनबरा में ऑस्ट्रेलिया प्रधानमंत्री एकादश के खिलाफ हुए अभ्यास मैच में उपस्थित नहीं थे, लेकिन सहायक स्टाफ के सदस्य अभिषेक नायर, रियान टेन डस्काटे और मोर्ने मोर्कल ने टीम का ट्रेनिंग सत्र देखा था। भारतीय टीम ने वर्षा से बाधित अभ्यास मैच में छह विकेट से जीत दर्ज की थी जिसमें कप्तान रोहित शर्मा सहित टीम के कई सीनियर खिलाड़ियों ने भी हिस्सा लिया था। रोहित पर्थ में खेले गए पहले टेस्ट के लिए उपलब्ध नहीं थे। अब वह दोबारा टीम से जुड़ गए हैं, ऐसे में गंभीर के सामने संयोजन चुनने की जिम्मेदारी होगी। रोहित अपने दूसरे बच्चे के जन्म के कारण ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पर्थ में खेले गए पहले टेस्ट मैच के लिए उपलब्ध नहीं थे। रोहित पिछले सप्ताह ही टीम के साथ जुड़े थे और वह एक बार फिर टीम की गिल भी पहले टेस्ट मैच का हिस्सा नहीं थे जो चोटिल हो गए थे। हालांकि, गिल भी अब फिट हो चुके हैं और अभ्यास मैच में अर्धशतक जड़कर उन्होंने अपनी फॉर्म साबित कर दी है। गिल और रोहित की अनुपस्थिति में ध्रुव जुरेल और देवदत्त पडिक्कल को प्लेइंग-11 में जगह मिली थी, जबकि यशस्वी जायसवाल के साथ केएल राहुल ने पारी का आगाज किया था। यह देखना दिलचस्प होगा कि भारतीय टीम प्रबंधन रोहित के पास आने के बाद ओपनिंग जोड़ी में कोई परिवर्तन करता है या नहीं। हालांकि, अभ्यास मैच में रोहित और यशस्वी ही पारी की शुरुआत करने उतरे थे और रोहित चौथे नंबर पर बल्लेबाजी के लिए आए थे।

मैं अपने पोते-पोतियों को बता सकूंगा कि मैंने उनका सामना किया', बुमराह को लेकर ट्रैविस हेड का बयान

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। इस साल जून में बुमराह टी20 विश्व कप में प्लेयर-ऑफ-द-सीरीज बने थे। उन्होंने भारत के खिताब जीतने के अभियान में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। वहीं, हेड पर्थ में अर्धशतक बनाने वाले एकमात्र ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज थे। ऑस्ट्रेलिया के बल्लेबाज ट्रैविस हेड को लगता है कि जसप्रीत बुमराह खेल के सबसे महान तेज गेंदबाजों में से एक के रूप में जाने जाएंगे। उन्होंने कहा कि वह गर्व से अपने पोते-पोतियों को भारतीय तेज गेंदबाज का सामना करने की कठिन चुनौती के बारे में बताएंगे। पर्थ में शुरुआती टेस्ट में बुमराह ने शानदार प्रदर्शन किया था और दोनों पारियों को मिलाकर आठ विकेट झटके थे। पर्थ टेस्ट को भारत ने 295 रनों से जीता था। हेड ने सोमवार को संवाददाताओं से कहा, 'बुमराह को शायद क्रिकेट खेलने वाले सबसे महान तेज गेंदबाजों में से एक के रूप में जाना जाएगा। मुझे लगता है कि इतना क्रिकेट खेलने के बाद भी हम इस समय यह पता लगा रहे हैं कि वह कितने चुनौतीपूर्ण हो सकते हैं। यह सोचकर खेलना कितना शानदार अनुभव है। जब मैं संन्यास लूंगा और अपने करियर को देखूंगा तो मुझे अच्छा लगेगा। मैं अपने पोते-पोतियों को बताऊंगा कि मैंने उनका सामना किया था। इसलिए बुमराह के साथ खेलने का अनुभव बुरा नहीं है। उम्मीद है कि मैं कुछ और बार उनका सामना कर सकूंगा, लेकिन वह हमेशा उतने ही चुनौतीपूर्ण होंगे।' इस साल जून में बुमराह टी20 विश्व कप में प्लेयर-ऑफ-द-सीरीज बने थे। उन्होंने भारत के खिताब जीतने के अभियान में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। वहीं, हेड पर्थ में अर्धशतक बनाने वाले एकमात्र ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज थे। शीर्ष क्रम में स्टीव स्मिथ, उस्मान ख्वाजा और मार्नस लाबुशेन जैसे खिलाड़ी संघर्ष करते दिखे। यह पूछे जाने पर कि क्या उनके साथी बल्लेबाज बुमराह को लेकर आपसे टिप्स लेने आएंगे? हेड ने मजेदार जवाब दिया। उन्होंने कहा- वे मेरे पास बैटिंग टिप्स के लिए नहीं आएंगे, यह निश्चित है। हर कोई उन्हें अलग-अलग तरीकों से खेलता है।

एशिया कप में भारत की पहली जीत, जापान को 211 रन से हराया, कप्तान अमान ने जड़ा शतक

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। इस टूर्नामेंट में यह भारत की पहली जीत है। इससे पहले शनिवार को पाकिस्तान के खिलाफ खेले गए मैच में उन्हें 43 शुरुआत कुछ खास नहीं हुई। निहार परमार सिर्फ 14 रन बनाकर आउट हो गए। हैरानी की बात ये है कि टीम के कप्तान कोजी एबे खाता खोले बिना पवेलियन लौटे। पवेलियन लौटे। इस मुकाबले में मोहम्मद अमान ने कप्तानी पारी खेलते हुए भारत का स्कोर 300 के पार पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई। उन्होंने 118 गेंदों का सामना

रन से करारी शिकस्त मिली थी। भारत की अंडर-19 टीम ने जापान को 211 रन से हराकर एशिया कप में अपनी पहली जीत दर्ज की। सोमवार को खेले शारजाह में खेले गए मुकाबले में पहले बल्लेबाजी करते हुए भारत ने कप्तान मोहम्मद अमान की नाबाद शतकीय पारी की बदौलत 50 ओवर में छह विकेट पर 339 रन बनाए। जवाब में जापान की टीम आठ विकेट पर 128 रन ही बना सकी। उनकी तरफ से ह्यूगो केली ने छह चौकों की मदद से 50 रन बनाए। भारत के लिए चेतन शर्मा, हार्दिक राज और केपी कार्तिकेय ने दो-दो विकेट चटकाए जबकि युद्धजीत गुहा को एक सफलता मिली। बता दें कि, इस टूर्नामेंट में यह भारत की पहली जीत है। इससे पहले शनिवार को पाकिस्तान के खिलाफ खेले गए मैच में उन्हें 43 रन से करारी शिकस्त मिली थी। 340 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी जापान की भारत की घातक गेंदबाजी के खिलाफ जापान का बल्लेबाजी क्रम ताश के पत्तों की तरह बिखर गया। उनके सात बल्लेबाज दहाई का आंकड़ा भी नहीं छू पाए, इनमें तीन खिलाड़ी ऐसे रहे जो खाता भी नहीं खोल सके। इस मुकाबले में ह्यूगो केली ने 111 गेंदों का सामना किया और अर्धशतक जड़ा। वहीं, चार्ल्स हिंज दो चौकों की मदद से 35 रन बनाकर नाबाद रहे। टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी भारतीय टीम ने अच्छी शुरुआत की, लेकिन आठवें ओवर में ही पहला विकेट गंवा दिया। आयुष म्हात्रे और वैभव सूर्यवंशी के बीच पहले विकेट के लिए 65 रनों की साझेदारी हुई। चार्ल्स हिंजे ने उन्हें अपना शिकार बनाया। वह 23 रन बनाकर पवेलियन लौटे। फैंस को उनसे बड़ी पारी की उम्मीद थी, लेकिन वह जल्दी अपना विकेट गंवा बैठे। वहीं, आयुष छह चौके और चार छक्के मदद से 54 रन बनाकर किया और 103.38 के स्ट्राइक रेट से 122ङ रन बनाए। इस दौरान उन्होंने सात चौके लगाए। उनके अलावा आंद्रे सिद्धार्थ ने 35, केपी कार्तिकेय ने 57, निखिल कुमार ने 12, हरवंश पंगलिया ने एक और हार्दिक राज ने 25ङ रन बनाए। जापान के लिए किफर यामामोटो लेक और ह्यूगो केली ने दो-दो विकेट चटकाए जबकि चार्ल्स हिंजे और आराव तिवारी ने एक-एक विकेट चटकाया। भारतः आयुष म्हात्रे, वैभव सूर्यवंशी, आंद्रे सिद्दार्थ सी, मोहम्मद अमान (कप्तान), निखिल कुमार, केपी कार्तिकेय, हरवंश सिंह (विकेटकीपर), हार्दिक राज, समर्थ नागराज, युद्धजीत गुहा, चेतन शमा जापानः आदित्य फड़के, निहार परमार, कोजी हार्डग्रेव एबे (कप्तान), काजुमा काटो-स्टैफर्ड, चार्ल्स हिंज, ह्यूगो केली, टिमोथी मूरे, किफर यामामोटो-लेक, डैनियल पैंकहर्स्ट (विकेटकीपर), आरव तिवारी, मैक्स योनेकावा लिन।

वो पांचवें या छठे नंबर पर नहीं आएंगे', हरभजन सिंह ने बताया रोहित शर्मा किस स्थान पर होंगे कारगर

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। हरभजन ने कहा, मुझे नहीं लगता कि रोहित पांचवें या छठे नंबर पर आएंगे। वह यशस्वी जायसवाल के साथ पारी का आगाज करेंगे और राहुल तीसरे बल्लेबाजी नहीं करेंगे। रोहित के लिए बल्लेबाजी में छठा क्रम टीम के हित में नहीं होगा। बल्लेबाजी क्रम में आपके शीर्ष चार खिलाड़ी चार स्तंभ होने चाहिए और रोहित जैसे किसी खिलाड़ी के शीर्ष पर

नंबर पर आएंगे भारतीय टीम के कप्तान रोहित शर्मा छह दिसंबर से खेले जाने वाले एडिलेड टेस्ट में वापसी करेंगे। वह पहले टेस्ट में अपने दूसरे बच्चे के जन्म के कारण नहीं खेल सके थे। उनकी गैरमौजूदगी में केएल राहुल ने यशस्वी जायसवाल के साथ ओपनिंग की थी और दूसरी पारी में 201 रन की साझेदारी निभाकर भारत को जीत दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। अब जब हिटमैन दूसरे टेस्ट में वापसी करेंगे तो वह किस स्थान पर बल्लेबाजी करेंगे, इस सवाल का जवाब हर कोई जानना चाहता है। कुछ क्रिकेट पंडितों का मानना है कि रोहित को पांचवें या छठे नंबर पर बल्लेबाजी करनी चाहिए। हालांकि, पूर्व ऑफ स्पिनर हरभजन सिंह का मानना है कि रोहित पारी का आगाज या तीसरे नंबर पर बल्लेबाज करना चाहेंगे। हरभजन ने कहा, मुझे नहीं लगता कि रोहित पांचवें या छठे नंबर पर आएंगे। वह यशस्वी जायसवाल के साथ पारी का आगाज करेंगे और राहुल तीसरे नंबर पर आएंगे या फिर वह तीसरे नंबर से बाद में होने से टीम को और मजबूती मिलेगी। ऑस्ट्रेलिया की प्रधानमंत्री एकादश के खिलाफ खेले गए अभ्यास मैच में केएल राहुल ही यशस्वी के साथ ओपनिंग के लिए उतरे थे। दोनों के बीच पहले विकेट के लिए 75 रनों की साझेदारी हुई थी। इस मुकाबले में हिटमैन चौथे नंबर पर बल्लेबाजी के लिए आए और तीन रन बनाकर लौट गए। अभ्यास मैच में उनका बल्ला खामोश रहा। माना जा रहा है कि छह दिसंबर से एडिलेड में खेले जाने वाले दूसरे टेस्ट में टीम इंडिया इसी लाइनअप के साथ उतर सकती है अब हिटमैन पर फॉर्म में वापसी का दबाव होगा। हाल ही में न्यूजीलैंड और बांग्लादेश के खिलाफ खेली गई टेस्ट सीरीज में रोहित का बल्ला खामोश रहा था। कीवियों के खिलाफ उन्होंने छह पारियों में सिर्फ 91 रन बनाए, जिसमें एक बार वह शून्य पर भी आउट हुए। इसके अलावा बांग्लादेश के खिलाफ चार पारियों में वह सिर्फ 42 रन बना सके। अब एडिलेड टेस्ट में फैंस को उनसे अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद है।

एडिलेड टेस्ट में किस स्थान पर उतरेंगे रोहित शर्मा पूर्व चयनकर्ता ने दिया जवाब, केएल पर भी की बात

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। देवांग गांधी ने कहा- मुझे लगता है कि रोहित को नंबर छह पर आना चाहिए, क्योंकि ऋषभ पंत भी पांचवें स्थान पर बहुत अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं। इस तरह से बाएं-दाएं संयोजन को भी बनाए रखा जा सकता है। भारतीय टीम के पूर्व चयनकर्ता देवांग गांधी ने रोहित शर्मा को छठे स्थान पर बल्लेबाजी की सलाह दी है। उनका मानना है कि केएल राहुल को एडिलेड टेस्ट में यशस्वी जायसवाल के साथ सलामी बल्लेबाजी के लिए उतरना चाहिए। पर्थ टेस्ट में राहुल ने अच्छी बल्लेबाजी की। दूसरे पारी में उन्होंने जायसवाल के साथ 201 रन की साझेदारी निभाकर भारत के जीत की पटकथा लिखी थी। अभ्यास

मैच में खामोश रहा रोहित का बल्ला ऑस्ट्रेलिया की प्रधानमंत्री एकादश के खिलाफ खेले गए अभ्यास मैच में केएल राहुल ही यशस्वी के साथ ओपनिंग के लिए उतरे थे। दोनों के बीच पहले विकेट के लिए 75 रनों की साझेदारी हुई थी। इस मुकाबले में हिटमैन चौथे नंबर पर बल्लेबाजी के लिए आए और तीन रन बनाकर लौट गए। अभ्यास मैच में उनका बल्ला खामोश रहा। माना जा रहा है कि छह दिसंबर से एडिलेड में खेले जाने वाले दूसरे टेस्ट में टीम इंडिया इसी लाइनअप के साथ उतर सकती है। पूर्व चयनकर्ता ने टाइम्स ऑफ इंडिया से बात करते हुए रोहित को नंबर छह पर बल्लेबाजी की सलाह दी। उनका मानना है कि ऋषभ पंत पांचवें नंबर पर आकर अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं। देवांग गांधी ने कहा- मुझे लगता है कि रोहित को नंबर छह पर आना चाहिए, क्योंकि ऋषभ पंत भी पांचवें स्थान पर बहुत अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं। इस तरह से बाएं-दाएं संयोजन को भी बनाए रखा जा सकता है। गांधी का मानना है कि मध्यक्रम के बल्लेबाज के लिए अचानक पारी की शुरुआत करना मुश्किल होगा। उन्होंने आगे कहा- अगर मध्यक्रम का कोई बल्लेबाज अपने करियर के आखिरी चरण में ओपनर बनने की कोशिश करता है तो यह मुश्किल हो जाता है। लेकिन एक सलामी बल्लेबाज के लिए मध्यक्रम में उतरना मुश्किल नहीं होगा। खासकर रोहित के लिए जिन्होंने नंबर छह पर अपने करियर की शुरुआत की थी।रोहित का नंबर छह पर प्रभावशाली रिकॉर्ड रहा है। उन्होंने 16 टेस्ट मैचों में 54.57 के औसत से 1037 रन बनाए हैं। इसमें तीन शतक और छह अर्धशतक शामिल हैं।

राशि फल

कुछ कार्य जिसकी पिछले कुछ दिनों से प्लानिंग चल रही है, आज शुरू हो सकता है, जिससे आपको आर्थिक स्थिति में लाभ होगा। व्यापार-व्यवसाय में परिवर्तन की योग बन रहे हैं

आज का दिन अच्छा है। परिवार में कोई नया सदस्य आ सकता है। आपके स्वास्थ्य में उतार-चढ़ाव देखने को मिलेगा। व्यापार आदि में सहयोगी पार्टनर के माध्यम से आय के नए स्रोत बनेंगे

किसी कार्य विशेष को लेकर आज यात्रा आदि पर बाहर जा सकते हैं। यात्रा में सावधानी बरतें, नहीं तो आपको नुकसान हो सकता है। साथ ही परिवार में किसी अपने के स्वास्थ्य से आप चिंतित रह सकते हैं।

आज आप व्यर्थ की भागदौड़ से परेशान हो सकते हैं। आपका मन अशांत रहेगा। कार्य की अधिकता के कारण थकावट आदि महसूस होगी।

आज आप मानसिक रूप से उलझे रहेंगे। किसी बात को लेकर परिवार में परेशानी बढ़ सकती है, लेकिन आप अपनी कुशलता से उसे हल करने में सफल होंगे। स्वास्थ्य ठीक रहेगा।

नौकरी आदि के लिए यदि प्रयास कर रहे हैं तो, आज आपको सफलता मिलेगी। स्वास्थ्य आपका ठीक रहेगा, परंतु परिवार में माता-पिता का स्वास्थ्य बिगड़ सकता है।

आज आपका कोई महत्वपूर्ण कार्य न होने से आप मानसिक तौर से परेशान रह सकते हैं। आर्थिक स्थिति के कारण आपको किसी से मदद मांगनी पड़ सकती है। व्यापार-व्यवसाय में भी इस समय गिरावट महसूस होगी।

आज आप पतनी के स्वास्थ्य को लेकर कुछ परेशान रहेंगे। परिवार के लोग सहयोग करेंगे। व्यापार-व्यवसाय में अपने साथियों के विरोध के कारण आपको बड़ा नुकसान हो सकता है।

स्वास्थ्य को लेकर आप परेशान हो सकते हैं। साथ ही नौकरी आदि में अधिकारी वर्ग से मतभेद बढ़ने से आपकी परेशानी बढ़ेगी।

आज का दिन आपके लिए लाभदायक रहेगा। किसी अपने के द्वारा आपको कार्यक्षेत्र में बड़ा काम मिल सकता है, जिस कारण मन प्रसन्न रहेगा।

आत्मविश्वास में कमी रहेगी। मानसिंक शांति रहेगी लेकिन असंतोष भी रहेगा। परिवार में शांति बनी रहेगी। पिता का सहयोग मिलेगा।

मान-सम्मान बढ़ेगा। नौकरी में पदोन्नति के योग हैं। आत्मविश्वास बन रहेगा। शिक्षा से जुड़े काम सफल होंगे।

हरभजन सिंह ने पाकिस्तान को दी अहंकार कम करने की सलाह

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। हरभजन ने कहा- पाकिस्तान को अपने अहंकार को किनारे रखकर हाइब्रिड मॉडल पर सहमत होना चाहिए। भारतीय टीम के पूर्व ऑफ स्पिनर हरभजन सिंह ने पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) को सलाह दी है कि उन्हें अपने अहंकार में कमी लानी चाहिए। दरअसल, चैंपियंस ट्रॉफी पर विवाद थमने का नाम नहीं ले रहा है। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) पहले ही भारतीय टीम को पाकिस्तान की यात्रा पर भेजने से इनकार कर चुका है। वहीं, पाकिस्तान ने भी अब तक हाइब्रिड मॉडल पर सहमति नहीं जताई है। यही कारण है कि अब तक अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने चैंपियंस ट्रॉफी के कार्यक्रम का एलान नहीं किया है। इस सबके बीच पूर्व भारतीय खिलाड़ी ने पाकिस्तान को उनके अहंकार में कमी लाने और हाइब्रिड मॉडल के लिए सहमति जताने की सलाह दे दी है। हरभजन ने कहा- आप सभी खिलाड़ियों से पूछें, वे कहेंगे कि वे अबू धाबी या दुबई में खेलने के लिए तैयार हैं। वैसे भी हमें भारत बनाम पाकिस्तान मैच ज्यादा देखने को नहीं मिलता है। पाकिस्तान को अपने अहंकार को किनारे रखकर हाइब्रिड मॉडल पर सहमत होना चाहिए। (भारत के लिए) सुरक्षा चिंता है और मैं 2022 से यह बात कह रहा हूं। शुक्रवार (29 नवंबर) को आईसीसी की वर्चुअल बैठक हुई थी जिसमें चैंपियंस ट्रॉफी को लेकर फैसला होने की उम्मीद थी। बताया जा रहा है कि इस बैठक में पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) से हाइब्रिड मॉडल स्वीकार करने के लिए कहा गया था, लेकिन पीसीबी शर्तों के साथ इसके लिए तैयार हुआ। सूत्रों और मीडिया रिपोट्र्स में कई तरह के दावे किए जा रहे हैं। कुछ सूत्रों का कहना है कि पीसीबी ने आईसीसी के सामने शर्त रखी है कि वह तभी हाइब्रिड मॉडल को स्वीकार करेगा जब आईसीसी इस नीति को 2031 तक होने वाले उसके सभी टूर्नामेंट में लागू करे। 2025 से 2031 तक कई ऐसे टूर्नामेंट है जिसकी मेजबानी भारत के पास है। आईसीसी क्या पीसीबी की यह शर्त स्वीकार करेगा यह देखने वाली बात होगी।

सम्पादकीय

इतिहास के मिथ्याकरण का रोग, सत्य किसी की हानि नहीं करता

बीते दिन उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने कहा कि हमारे इतिहास के साथ छेड़छाड़ की गई है। अतीत में यह बात प्रधानमंत्री से लेकर गृहमंत्री भी कह चुके हैं, लेकिन इतिहास को सही रूप में पेश करने का काम नहीं हो पा रहा है और वह भी तब, जब सभी इससे परिचित हैं कि सच्चे इतिहास की जानकारी के अभाव में लोगों के बीच नासमझी की खाई बन जाती है। वे लोग एक रह ही नहीं जाते। उनके स्वर विपरीत होने लगते हैं, जिससे एक-दूसरे को उपयुक्त रूप से नहीं समझ पाते। सही इतिहास जानने की इस महत्ता से हमारे नीति-निर्माता अनभिज्ञ रहे हैं। अन्यथा इस विषय पर यहां इतनी दलबंदी न होती। भारतीय सभ्यता के शत्रु यह विषय अधिक बेहतर समझते हैं, अतः उन्होंने इतिहास को झुठलाने और काल्पनिक बातें फैलाने पर ध्यान केंद्रित किया। हमारे नेताओं-नीतिकारों की नासमझी के कारण ही इसमें वे सफल रहे हैं। क्या यह स्थिति बदल रही है? देश में कुछ लोग सही इतिहास के पठन-पाठन के लिए चेष्टा कर रहे हैं। इतिहास की पाठ्यपुस्तकें बनाने में लगे विद्वान मिशेल दानीनो ने देश के कुछ स्कूली शिक्षकों से संवाद किया। इसमें उन्होंने अनेक गंभीर प्रश्नों का सामना किया। एक शिक्षक ने पूछा कि 'विवादित मुद्दों पर बच्चों को कैसे पढ़ाएं? उदाहरण के लिए आजादी पाने में महात्मा गांधी और भगत सिंह की भूमिका? क्या यह कहना ठीक है कि राजनीति में अहिंसा की विजय हुई?' दानीनो के अनुसार शिक्षक को फैसला देने वाला जज नहीं बनना चाहिए। किसी ऐतिहासिक व्यक्ति की निंदा या प्रशंसा से बचें। छात्रों के समक्ष अधिकाधिक तथ्य रखना ही उपयुक्त है, ताकि छात्रों में सत्य के अन्वेषण के प्रति रुचि पैदा हो। किसी भी मुद्दे पर भरपूर तथ्यों को जानने के बाद वह अपना मत स्वयं बनाने के लिए स्वतंत्र रहें। इसीलिए, यहां सम्राट अशोक या सिकंदर को 'महान' कहना अनावश्यक है। उससे मुश्किलें पैदा होती हैं। केवल उन ऐतिहासिक व्यक्तियों के कार्य एवं विचार प्रमाणिक रूप से सामने रख देना उचित है। इसी तरह, असुविधाजनक तथ्यों की लीपापोती भी अनुचित है। जैसे, भारतीय इतिहास में हजारों मंदिरों का विध्वंस अथवा समाज में चल रहा जातिगत भेदभाव। ठोस तथ्यों को सामने रखना न केवल सही शिक्षा है, बल्कि उसी से लोगों के बीच विश्वास और सद्भाव बनता है, क्योंकि सत्य किसी की हानि नहीं करता। जबकि मिथ्याकरण से संदेह, द्वेष और छल का अंतहीन क्रम बनता है, जिससे देर-सबेर समाज की हानि होती है। किसी घटना या व्यक्ति के बारे में अधिकाधिक और प्रमाणिक तथ्य रखना ही लेखक या शिक्षक का कर्तव्य है। उनसे किसी प्रश्न पर पाठक स्वयं उत्तर निकालेंगे। यह पद्धति ज्ञानवर्धक एवं रुचिकर होगी। दुर्भाग्यवश स्वतंत्र भारत में इतिहास शिक्षा राजनीति से ग्रस्त होती गई। इससे मिथ्याकरण को बढ़ावा मिला। हमारे अभिलेखागारों में तमाम दस्तावेज और पांडुलिपियां अनछुई हैं। युवा शोधकर्ताओं तथा छात्रों को उन्हें पढ़ने के लिए प्रेरित करना चाहिए। उनके अध्ययन से पता चलेगा कि तमाम प्रचलित निष्कर्ष निराधार हैं, जिन्हें राजनीतिक उद्देश्य से प्रचारित किया गया। जबकि सच्ची बातों और कटु स्मृतियों का दमन हुआ। हालांकि ऐसी स्मृतियां मिटती नहीं। कालांतर में वे किसी भी रूप में ज्वालामुखी होकर फटती हैं। अज्ञेय ने कहा था, 'जबरन दमित करने से कुछ स्मृतियां प्राकृतिक रूप से लुप्त नहीं हो पातीं। उलटे उनमें ऊर्जा का ऐसा संचय होने लगता है, जिसके परिणाम अपूर्वानुमेय हो जाते हैं।' कुछ विद्वान मानते हैं कि कोई संपूर्णतः वैज्ञानिक या वस्तुगत इतिहास नहीं होता। हर लेखन में लेखक के कुछ आग्रह, पूर्वाग्रह या भूल होती ही है। भारतीय इतिहास में भी कई बड़े नेताओं के विचार और उनके व्यक्तिगत राग-द्वेष हैं। देश-विभाजन जैसे आकस्मिक फैसले से लाखों-करोड़ों लोगों की बेहिसाब हानि हुई। उसके अन्य क्रमिक परिणामों का बहीखाता भी खासा मोटा है। उनके तथ्य और सबक गंभीरता से जानने, समझने और विचार करने योग्य हैं। इसके बदले केवल गुलाबी रंग की अर्धसत्य जीवनियां पढ़ाना नितांत अहितकर है। इतिहास का मिथ्याकरण और देश की नई पीढ़ी को उनके पूर्वजों के वास्तविक अनुभवों को जानने से वंचित रखना हर हाल में गलत है। युवा पीढ़ी को मात्र लफ्फाजी में उलझाए रखने वाले साहित्यकार, इतिहासकार और नेता गलती करते रहे हैं। कठोर वास्तविकताएं, अप्रिय प्रवृत्तियां भी मानव जीवन का अभिन्न अंग रही हैं। सच्ची शिक्षा पलायनवादी नहीं हो सकती। यथार्थ इतिहास और जनजीवन में राजनीतिक उद्देश्यों से काट-छांट, रंग-रोगन करना अंततः हानिकर साबित होता है, लेकिन यहां लंबे समय से इतिहास और वर्तमान के अप्रिय प्रसंगों पर चुप्पी की परंपरा बनी हुई है। तब किनसे भावी पीढ़ियां कुछ सीख सकेंगी? असंख्य प्रसंगों एवं व्यक्तित्वों के विषय में जानकारी पर मानो ताला लगाए रखा गया है।

चीन-नेपाल की नजदीकी का क्या है मतलब ड्रैगन की नापाक चाल

नेपाल के प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली अपनी पहली विदेश यात्रा पर चीन पहुंच गए हैं। इस यात्रा को नेपाल को चीन के और नजदीक ले जाने का सूचक माना जा रहा है, क्योंकि परंपरागत तौर पर नेपाल के नए प्रधानमंत्री पहली विदेश यात्रा पर भारत आते रहे हैं। इसमें कोई दो राय नहीं कि भारत विरोध और चीन से मित्रता ओली की व्यक्तिगत रुचि रही है। ओली हमेशा चीन के साथ संबंधों को प्रगाढ़ करने की वकालत करते रहे हैं। उन्होंने भारत विरोध का सहारा लेकर ही अपनी राजनीति मजबूत की है, फिर चाहे वह 2015 में की गई सीमा की नाकाबंदी हो, 2019 में सीमा-विवाद का राजनीतीकरण करना हो या फिर नेपाल का एक विवादित नक्शा लाना हो, जिसमें नेपाल ने भारत के कुछ संप्रभु क्षेत्रों को अपना दिखाया। ओली का राजनीतिक झुकाव चीन की ओर होना भारत के लिए चिंता का विषय बना हुआ है, लेकिन उनकी इस यात्रा को नेपाल का भारत से दूर जाना मान लेना भारत की 'पड़ोसी प्रथम' नीति को कमजोर करार देने के बराबर है। तथ्य बताते हैं कि जितनी भी बार ओली और उनकी कम्युनिस्ट पार्टी आफ नेपाल (एमाले) ने चीन के साथ समझौते या राजनीतिक संबंधों की वकालत की है, वह मुख्यतः प्रतीकात्मक ही रही है और परिणामों पर कम खरी उतरी है। चूंकि नेपाल में राजनीतिक अस्थिरता एक सामान्य बात है और हर छह-आठ महीनों में एक नई सरकार आती है, ऐसे में हर प्रधानमंत्री का भारत आना नेपाली विदेश नीति के लिए दूसरे पड़ोसी देश की अनदेखा करने का संकेत माना जा सकता है। इससे उसके हित प्रभावित हो सकते हैं। यहां यह भी देखना जरूरी है कि ओली नेपाली कांग्रेस पार्टी के साथ एक गठबंधन वाली सरकार चला रहे हैं और नेपाली कांग्रेस भारत के साथ मजबूत संबंधों की वकालत करती रही है। चूंकि मौजूदा सरकार में विदेश मंत्री नेपाली कांग्रेस से हैं, ऐसे में नेपाली कांग्रेस भारत के साथ इतना बड़ा जोखिम लेने से बचेगी। इसलिए नेपाल दो पड़ोसियों के बीच संतुलित विदेश नीति बनाए रखने का प्रयास कर रहा है, लेकिन सवाल यह है कि क्या ओली का चीन के प्रति झुकाव नेपाल के लिए फायदे का सबब बना है? उत्तर नकारात्मक ही है, क्योंकि नेपाल और चीन के बीच जितने भी बड़े समझौते पिछले दस वर्षों में हुए हैं, उनमें ज्यादातर ठंडे बस्ते में पड़े हैं और यह बात चीन को सताती रही है। मई 2017 में चीन ने नेपाल के साथ बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव (बीआरआई) पर समझौता किया, जिसे चीन की एक बड़ी कूटनीतिक सफलता के तौर पर देखा गया, क्योंकि भारत लगातार बीआरआई के अंतर्गत बने चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारे की आलोचना करता रहा है। बीआरआई समझौते के तहत चीन को नेपाल में बड़े बुनियादी ढांचे वाली तमाम परियोजनाओं में निवेश करना है, जिनमें ट्रांस-हिमालयन बहुआयामी कनेक्टिविटी नेटवर्क खास है, जो नेपाल को रेल एवं सड़क मार्ग से तिब्बत प्रांत से जोड़ने वाला है। इससे ऐसा लगा कि नेपाल चीन के रास्ते भारत पर अपनी निर्भरता कम करने का मार्ग खोज रहा है, लेकिन करीब सात वर्ष बीत जाने के बाद भी नेपाल में ऐसी एक भी परियोजना लागू नहीं हो सकी है। इसके दो कारण हैं। पहला, नेपाल में राजनीतिक अस्थिरता के चलते परियोजनाओं की पहचान नहीं हो पाई है। दूसरा, नेपाल लगातार चीन से बीआरआई के अंतर्गत आने वाली परियोजनाओं के लिए सहयोग वित्तीय सहायता के तौर पर चाहता है। जबकि चीन कर्ज देने में रुचि रखता है। श्रीलंका का उदाहरण देखते हुए नेपाल इससे डर रहा है। बड़े कर्ज के चलते श्रीलंका को अपने हंबनटोटा जैसे बंदरगाह का नियंत्रण चीन के हाथों में देना पड़ा है। अगर नेपाल चीन से कर्ज लेता है तो भविष्य में उसे नेपाल पर दबाव बनाने का अवसर मिलेगा, जो बीआरआई का मुख्य वैश्विक उद्देश्य रहा है। वर्ष 2016 में ओली ने अपनी चीन यात्रा के दौरान उसके साथ परिवहन एवं परिगमन समझौते पर हस्ताक्षर किए थे। इसके तहत नेपाल चीन के छह बंदरगाहों के रास्ते अन्य देशों से व्यापार कर सकता है। नेपाल पूरब में चीन से और तीन ओर से भारत से घिरा हुआ है। वह भारत के बंदरगाहों का उपयोग कर अन्य देशों से व्यापार करता रहा है। यह उसके लिए हर तरह से फायदेमंद है, लेकिन 2015 में भारत के साथ सीमाबंदी का मुद्दा सामने आने के बाद ओली ने चीन को एक विकल्प के तौर पर दिखाने का प्रयास किया। व्यावहारिक तौर पर देखा जाए तो चीन के बंदरगाह नेपाल से कम से कम 3,000 किलोमीटर दूरी पर हैं। जबकि भारत का कोलकाता बंदरगाह मात्रा 700 किलोमीटर दूर है। समझौते के छह साल बाद भी नेपाल ने चीन के बंदरगाहों के रास्ते केवल एक ही बार व्यापार किया है। इसकी वजह यह है कि नेपाल के लिए भारत के रास्ते व्यापार करना आसान और किफायती है। भारत के साथ नेपाल के संबंधों पर प्रकाश डाला जाए तो हाल में नेपाल ने भारत के रास्ते बांग्लादेश को बिजली बेची है, जो क्षेत्रीय सहयोग में एक महत्वपूर्ण पहल है। बांग्लादेश को बिजली बेचने से नेपाल को न केवल आर्थिक फायदा होगा, बल्कि उसके लिए भारत के रास्ते अन्य देशों को भी बिजली बेचने के रास्ते खुलेंगे। भारत और नेपाल पनबिजली क्षेत्र में एक और मजबूत साझेदारी की ओर अग्रसर हो रहे हैं। इसके अलावा आज भारत नेपाल का सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार है। सीमा विवाद जैसे मुद्दे के बावजूद भारत और नेपाल के द्विपक्षीय संबंधों में मजबूती आई है। दोनों देश विज्ञान और तकनीक जैसे नए क्षेत्रों में भी आगे बढ़ रहे हैं। ऐसे में, इस नतीजे पर पहुंचना सही नहीं होगा कि ओली की चीन यात्रा भारत के लिए बुरी खबर है।

संकट में भारतीय ज्ञान परंपरा, भारत के लिए औपनिवेशिक गुलामी से मुक्ति जरूरी

यद्यपि हमने 15 अगस्त, 1947 को तत्कालीन औपनिवेशिक शासन से स्वतंत्रता प्राप्त की, किंतु अंग्रेजों की लगभग 200 वर्षों की दासता का दुष्प्रभाव हमारी संस्थाओं, व्यवस्थाओं, राजनीतिक-सामाजिक प्रतीकों एवं जीवनशैली में विद्यमान है। औपनिवेशिक प्रवृत्ति एवं परंपराओं, हमारी शासन व्यवस्था, भाषा, वास्तुकला एवं जीवन के अन्यान्य क्षेत्रों में अब भी मौजूद हैं। तत्कालीन भौगोलिक परतंत्रता अब मानसिक और सांस्कृतिक गुलामी में परिवर्तित हो रही है। वर्तमान परिदृश्य में जब भारत एक वैश्विक महाशक्ति के रूप में उभर रहा है, यह आवश्यक हो जाता है कि हम औपनिवेशिक मानसिकता एवं उसके प्रतीकों से मुक्त हों। आज विश्वभर के चिंतक इस बात से सहमत हैं कि गुलामी केवल शारीरिक रूप से किसी देश पर अधिकार जमाने तक सीमित नहीं होती, बल्कि यह उस राष्ट्र के जीवन दर्शन एवं मूल्यों को भी प्रभावित करती है। अंग्रेजों ने भारत पर शासन करते हुए सिर्फ भौगोलिक एवं आर्थिक शोषण ही नहीं किया, वरन सामाजिकता, परंपरा, इतिहास और सांस्कृतिक अस्मिता को भी

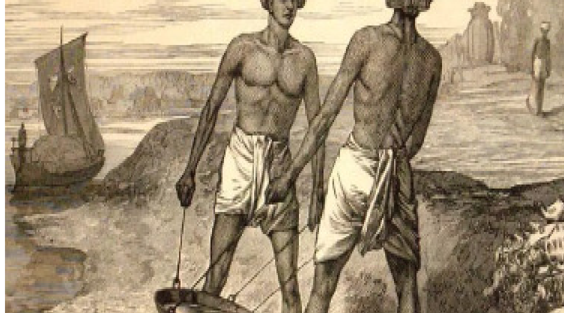

विकृत करने का दुष्प्रयास किया। परिणामस्वरूप ऐसी मानसिकता का विकास हुआ जिसमें भारतीय नागरिक 'स्व' के अस्तित्व को भूलकर पश्चिमी सभ्यतागत विमर्श के अनुगामी बन बैठे। जैसे कि भारत में आज भी अंग्रेजी भाषा का वर्चस्व है। अंग्रेजी के मुकाबले अन्य भारतीय भाषाओं को हीनता की दृष्टि से देखा जाता है। उच्च शिक्षा, न्याय प्रणाली एवं प्रशासनिक कार्यों में अंग्रेजी का ही बोलबाला है। भारतीय भाषाओं का व्यवहार करने वालों को कमतर आंका जाता है एवं अंग्रेजी बोलने वालों को अधिक योग्य माना जाता है। कई माता-पिता इस बात पर गर्व करते हैं कि हमारा बेटा जिस स्कूल में पढ़ता है वहां एक भी शब्द हिंदी का बोलने नहीं दिया जाता। युवा पीढ़ी न तो अपनी मातृभाषा में लिखने-पढ़ने में सक्षम है और न ही भारतीय साहित्य और ग्रंथों को समझने में। ऐसी स्थिति ने भारतीय ज्ञान परंपरा को संकट में डाल दिया है। अंग्रेजी से हमें परहेज नहीं होना चाहिए, परंतु उसे अपनी मातृभाषा से ज्यादा महत्व देना ठीक वैसे है जैसे अपनी मां के स्थान पर दूसरे की मां को अधिक श्रेष्ठ मानना। आज संपूर्ण जीवनशैली में पश्चिमी बातों का अंधानुकरण करना एक 'स्टेटस सिंबल' सा बन गया है। परंपरागत व्यंजनों के प्रति हमारी रुचि कम हो रही है एवं पाश्चात्य व्यंजन हमारी थाली की शोभा बढ़ा रहे हैं। आज हम जो फादर्स-मदर्स-ब्रदर्स-सिस्टर्स-वैलेंटाइन डे आदि मनाते हैं, यह तो हमारी संस्कृति का हिस्सा नहीं, अपितु पाश्चात्य संस्कृति की भोंडी नकल हैं। हमारे लिए तो जीवन का प्रत्येक क्षण इन रिश्तों में आत्मीयता हेतु समर्पित था। हम अपनी प्रकृति-प्रेमी जीवनशैली से विरक्त होकर प्रकृति विरोधी पथ पर अग्रसर हो गए हैं। परिणामतः जलवायु परिवर्तन के दुष्परिणाम झेलने को विवश हैं। संपूर्ण व्यक्तित्व विकास सुनिश्चित करने वाली गुरुकुल शिक्षा प्रणाली के बजाय भारतीय शिक्षा प्रणाली आज भी मैकाले द्वारा स्थापित ढांचे पर आधारित है, जिसका उद्देश्य भारतीयों को अंग्रेजी शासन के लिए 'क्लर्क' तैयार करना था। हमारी शिक्षा व्यवस्था आज पश्चिमी ज्ञान को श्रेय देती है एवं भारतीय ग्रंथों, विज्ञान और परंपराओं को हाशिये पर धकेल रही है। इस हेतु हमें भारतीय ज्ञान प्रणाली का नए सिरे से अध्ययन एवं वर्तमान में उनकी उपादेयता पर सघनता से कार्य करना होगा। आज भी भारतीय न्याय प्रणाली एवं प्रशासनिक व्यवस्था ब्रिटिश माडल पर आधारित है। न्यायिक प्रक्रिया अंग्रेजी में होती है, जो आम जनमानस की समझ से परे है। इस दिशा में तेजी से परिवर्तन की आवश्यकता है। भला हो मोदी सरकार का जिसने पहली बार भारतीय न्याय संहिता लागू की। अंग्रेजों ने भारतीयों में यह भावना विकसित की कि हम सभ्यता, ज्ञान और संस्कृति के क्षेत्र में पश्चिम से कमतर हैं। यहां तक कहा गया कि भारतीयों को सभ्य बनाना अंग्रेजों का अतिरिक्त कर्तव्य है। यह मानसिक गुलामी हमारे विकास में बाधा बन रही है। भारतीय परंपराओं, संस्कारों, रीति रिवाजों, कौशल-विकास परंपरा, ग्रामीण अर्थव्यवस्था आदि को आधुनिकता के नाम पर त्यागा जा रहा है। युवा पीढ़ी अपनी जड़ों और संस्कृति से अनभिज्ञ होती जा रही है। हम अपने संसाधनों और प्रतिभा का संपूर्ण उपयोग नहीं कर पा रहे हैं। विदेशी वस्तुओं, तकनीक और सेवाओं पर अत्यधिक निर्भरता आत्मनिर्भर भारत के मार्ग में अवरोध है। ऐसे में यक्ष प्रश्न है कि मानसिक गुलामी से मुक्ति कैसे पाई जाए? औपनिवेशिक मानसिकता से मुक्त होने के लिए देश को व्यापक सामाजिक, सांस्कृतिक, राजनीतिक एवं आध्यात्मिक पुनर्जागरण की आवश्यकता है। यह केवल सरकारी नीतियों तक सीमित नहीं हो सकता, अपितु समाज के प्रत्येक वर्ग को मनसा, वाचा, कर्मणा इस महायज्ञ में आहुति डालनी होगी।

यूपी के किसानों ने एक हफ्ते तक दिल्ली कूच टाला, नोएडा एक्सप्रेस-वे से बैरिकेडिंग हटाई गई

यूपी के किसानों ने एक हफ्ते तक दिल्ली कूच टाला, नोएडा एक्सप्रेस-वे से बैरिकेडिंग हटाई गई नोएडा यूपी के किसानों ने एक हफ्ते तक दिल्ली कूच नहीं करने का फैसला लिया है। इसके बाद नोएडा एक्सप्रेस-वे से बैरिकेडिंग हटा दी गई और आवाजाही फिर से शुरू हो गई। यूपी के किसानों ने एक हफ्ते तक दिल्ली कूच नहीं करने का फैसला लिया है। यह निर्णय किसान नेताओं की ग्रेटर नोएडा, नोएडा और यमुना प्राधिकरण के अधिकारियों के साथ हुई बैठक के बाद लिया गया। इसके बाद नोएडा एक्सप्रेस-वे से बैरिकेडिंग हटा दी गई और आवाजाही फिर से शुरू हो गई। किसानों ने अपनी मांगों पर केंद्र सरकार से एक हफ्ते का समय मांगा है। इस दौरान किसान दलित प्रेरणा स्थल पर आंदोलन करेंगे, और अगर एक हफ्ते में उनकी मांगें पूरी नहीं हुईं, तो वे फिर से दिल्ली कूच करेंगे। किसानों ने एक हफ्ते का समय लिया किसान संगठनों और तीनों प्राधिकरणों के बीच कई घंटे की बातचीत के बाद, ग्रेटर नोएडा, नोएडा और यमुना प्राधिकरण ने किसानों से एक हफ्ते का समय मांगा, जिसे किसानों ने स्वीकार कर लिया। किसानों का कहना है कि वे अब दलित प्रेरणा स्थल पर एक हफ्ते तक इंतजार करेंगे। अगर एक हफ्ते में उनकी मांगों का समाधान नहीं हुआ, तो वे दिल्ली कूच करेंगे। इस बीच, एक्सप्रेस-वे पर बैरिकेडिंग हटा दी गई है और आवाजाही सामान्य हो गई है। अधिकारियों ने किसानों को दिया समाधान का आश्वासन ज्वाइंट सीपी लॉ एंड ऑर्डर नोएडा, शिवहरि मीना ने कहा, ठकिसानों ने आज 'दिल्ली चलो' मार्च का ऐलान किया था और हम लगातार उनसे संपर्क में थे। किसानों ने अपनी सभी मांगें अधिकारियों के सामने रखी हैं, और अधिकारियों ने उन्हें आश्वासन दिया है कि उनकी समस्याओं का समाधान जल्द किया जाएगा। पवन खटाना का बयान, ठकिसानों के हक के लिए संघर्ष जारी रहेगा भारतीय किसान यूनियन के नेता पवन खटाना ने कहा, ठगौतमबुद्ध नगर के जिन किसानों की ज़मीन गई है, उनके लिए हमारी मुख्य मांग है कि उन्हें 10ज्ञ् विकसित प्लॉट दिया जाए और जिन किसानों को अभी तक पारिश्रमिक नहीं मिला है, उन्हें 64.7ज्ञ् मुआवज़ा दिया जाए। 2013 में गौतमबुद्ध नगर के किसानों ने भूमि अधिग्रहण कानून के लिए संघर्ष किया और उसे पास करवाया, लेकिन इसे लागू नहीं किया गया। न कोई किसान को चार गुना मुआवज़ा मिला है, न ही सर्किल रेट में वृद्धि हुई है। एयरपोर्ट के कारण किसान विस्थापित हो रहे हैं, लेकिन विस्थापन नीति में कोई बदलाव नहीं किया गया। हम तब तक विरोध जारी रखेंगे जब तक नीति में बदलाव नहीं होता। हमने सड़क नहीं रोकी है, प्रशासन ने यह किया है। हम अपनी योजना के अनुसार आगे बढ़ रहे थे, लेकिन प्रशासन ने सड़क रोकी, इसलिए हमें कुछ समय के लिए रुकना पड़ा। किसान नेता सुखबीर खलीफा का बयान, कहा- अन्नदाता' के हक के लिए लड़ेंगे भारतीय किसान परिषद के नेता सुखबीर खलीफा ने कहा, ठहम मजबूत इरादों और पूरी मेहनत और समर्पण के साथ आए हैं, ताकि हमारे 'अन्नदाता' के अधिकारों के लिए संघर्ष कर सकें। किसानों का शोषण हो रहा है, लेकिन अब ऐसा नहीं होने देंगे। हम यह सुनिश्चित करेंगे कि उन्हें 10ज्ञ् भूखंड मिलें। हमें आश्वासन मिला है कि सचिव स्तर की बातचीत के बाद हमारी समस्याओं का समाधान होगा। तब तक हम दलित प्रेरणा स्थल पर डेरा डालेंगे। हम न आगे बढ़ेंगे और न पीछे हटेंगे। किसानों की मांग, 10ज्ञ् विकसित भूखंड और मुआवजा भारतीय किसान यूनियन के नेता पवन खटाना ने कहा, ठगौतम बुद्ध नगर के उन किसानों की मुख्य मांग है, जिन्होंने अपनी ज़मीन खो दी, उन्हें 10ज्ञ् विकसित भूखंड और 64.7ज्ञ् मुआवजा मिले, जो अब तक नहीं दिया गया है। 2013 में किसानों ने भूमि अधिग्रहण अधिनियम के लिए संघर्ष किया और इसे पारित कराया, लेकिन यह लागू नहीं हुआ। कोई भी किसान चार गुना मुआवजा नहीं प्राप्त कर सका है और सर्कल रेट में कोई वृद्धि नहीं हुई है। एयरपोर्ट के कारण किसानों का विस्थापन हो रहा है, लेकिन विस्थापन नीति में कोई बदलाव नहीं किया गया है। हम तब तक विरोध जारी रखेंगे जब तक विस्थापन नीति में बदलाव नहीं होता। हम अपनी योजना के अनुसार आगे बढ़ रहे थे, लेकिन प्रशासन ने सड़क को ब्लॉक किया, इस कारण हमने अस्थायी रूप से रोक लगा दी है।प्रशासन को 7 दिन का अल्टीमेटम, कहा- दलित प्रेरणा स्थल पर जारी रहेगा धरना किसान संगठनों ने अपनी मांगों को लेकर प्रशासन को 7 दिनों का अल्टीमेटम दिया है। प्रशासन ने 7 दिन का समय मांगा था, जिसे किसानों ने स्वीकार कर लिया है। इस दौरान दलित प्रेरणा स्थल पर आंशिक धरना जारी रहेगा। किसान नेताओं का कहना है कि यदि 7 दिन के भीतर समाधान नहीं हुआ, तो किसान संगठन फिर से दिल्ली कूच करेंगे। बैरिकेड्स हटाने की प्रक्रिया शुरू हो गई है और राष्ट्रीय दलित प्रेरणा स्थल का रास्ता भी खोल दिया जा रहा है। पुलिस अधिकारी ने दी जानकारी अब ट्रैफिक सामान्य हो गया है नोएडा में कानून और व्यवस्था के संयुक्त पुलिस आयुक्त शिवहरी मीना ने कहा, ठकिसानों ने आज 'दिल्ली चलो' मार्च का आह्वान किया था, और हम लगातार उनके साथ वार्ता कर रहे थे। किसानों ने अधिकारियों से अपनी मांगें रखी हैं और अधिकारियों ने उन्हें आश्वासन दिया है। अब ट्रैफिक सामान्य हो गया है।ठ बैरिकेड्स हटाए जाने के बाद फिर से शुरू हुआ ट्रैफिक नोएडा के दलित प्रेरणा स्थल के पास किसानों के विरोध प्रदर्शन के कारण ट्रैफिक प्रभावित था, लेकिन अब पुलिस ने बैरिकेड्स हटाकर ट्रैफिक को फिर से सामान्य कर दिया है।

केवल हंगामे पर जोर देता विपक्ष हंगामे की भेंट चढ़ा शीतकालीन सत्र का पहला सप्ताह

संसद के शीतकालीन सत्र का पहला सप्ताह हंगामे की भेंट चढ़ गया। इसका अंदेशा पहले से था, क्योंकि कांग्रेस और कुछ अन्य दलों ने अदाणी प्रकरण, मणिपुर की हिंसा के साथ कुछ अन्य मामलों पर जोर देने का एलान कर दिया था। इनमें से एक मामला संभल की हिंसा का भी जुड़ गया, जो संसद सत्र शुरू होने के पहले ही सामने आया। अदाणी प्रकरण भी कुछ दिनों पहले चर्चा में आया था। क्या यह महज एक दुर्योग है कि पिछले कुछ समय से संसद सत्र के पहले कोई न कोई सनसनीखेज मामला सामने आ जाता है? यह प्रश्न इसलिए, क्योंकि अतीत में पेगासस जासूसी और अदाणी समूह पर हिंडनबर्ग की रपटें संसद का सत्र शुरू होने के पहले ही आईं। कांग्रेस और अन्य विपक्षी दल अचानक आए ऐसे मुद्दों को लपक लेते हैं। संसद का शीतकालीन सत्र शुरू होने के चंद दिन पहले अमेरिकी अदालत का यह सनसनीखेज आदेश आया कि अदाणी समूह की कंपनी अदाणी ग्रीन एनर्जी की ओर से भारत में सौर ऊर्जा की आपूर्ति के लिए कुछ राज्य सरकारों को रिश्वत दी गई और चूंकि सौर ऊर्जा उत्पादन के लिए अमेरिका के निवेशकों से पैसा लिया गया, इसलिए अमेरिका के कानूनों के तहत इस मामले की जांच अमेरिकी सिक्योरिटीज एंड एक्सचेंज कमीशन की ओर से की जा रही है। इस मामले में अदाणी समूह के प्रमुख गौतम अदाणी, उनके भतीजे सागर अदाणी और अदाणी ग्रीन एनर्जी के कुछ अधिकारियों को आरोपित किया गया है। न्यूयार्क की अदालत की मानें तो अदाणी ग्रीन एनर्जी ने 22 सौ करोड़ रुपये से ज्यादा की रिश्वत दी। अदाणी समूह पहली बार विवादों में नहीं आया। इसके पहले अमेरिकी रिसर्च एजेंसी हिंडनबर्ग की ओर से यह आरोप लगाया गया था कि इस समूह ने अपने शेयरों में हेराफेरी की। यह रिपोर्ट आने के बाद अदाणी समूह को अच्छा-खासा नुकसान उठाना पड़ा था, लेकिन बाद में एक बड़ी हद तक क्षति की भरपाई हो गई, क्योंकि सुप्रीम कोर्ट ने हिंडनबर्ग की रिपोर्ट को सही नहीं माना।

श्री बाबोसा महोत्सव के एक लाख ग्यारह हजार एक सौ एक निमंत्रण कार्डो का विवरण सफलतापूर्वक संपन्न

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नोएडा । नई दिल्ली रोहिणी के जापानी पार्क में आयोजित बाबोसा महोत्सव 2024 की तैयारियां जोरों-शोरों से चल रही है। परम आराधिका मंजू बाईसा के सान्निध्य में आयोजित होने वाले इस महोत्सव के लिए आज रोहिणी की सड़कों पर एक अद्भूत दृश्य देखने को मिला, जब एक साथ सैकडों युवा भक्त विभिन्न सोसाइटियों और घरों की तरफ निकल पड़े। उनके हाथों में श्री बाबोसा महोत्सव 2024 के निमंत्रण कार्ड थे। वे घर-घर जाकर इस महोत्सव के लिए व्यक्तिगत रूप से निमंत्रण पत्र बांट रहे थे। मोबाइल फोन पर निमंत्रण के दौर में परंपरागत रूप से भक्तों के घरों में जाकर निमंत्रण पत्र देने का यह दृश्य आंखों को सुकून प्रदान कर रहा था। प्रातः 9 बजे श्री बालाजी बाबोसा मंदिर सेक्टर 24 रोहिणी में प्रातः पूजन एवं आरती के पश्चात् परम आराधिका मंजू बाईसा ने हर हर बाबोसा घर घर बाबोसा का उद्घोष करते हुए सभी भक्तों को अपना आर्शीवाद प्रदान किया। तत्पश्चात परम श्रद्धेय श्री प्रकाश भाई जी ने अपने जोशीले उद्बोधन में सभी भक्तों को परिश्रम कर महोत्सव को सफल बनाने की प्रेरणा दी। श्री अजय बैद, ज्योति संचेती एवं हर्ष कोठारी ने भी इस अवसर पर अपने विचार प्रस्तुत किए।

किसानों के आंदोलन को समाजवादी पार्टी का पूर्ण समर्थन

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नोएडा । नोएडा समाजवादी पार्टी के प्रदेश सचिव व नोएडा विधानसभा 61 के पूर्व प्रत्याशी सुनील चौधरी ने एक बयान जारी कर किसान आंदोलन को समाजवादी पार्टी का पूर्ण समर्थन देने की बात कही है, उन्होंने कहा कि भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र और प्रदेश की संवेदनहीन सरकार अन्नदाताओं का हक मारने का काम कर रही है वर्तमान सरकार पूंजीपतियों के दबाव में किसानों की आवाज को दबाने का काम कर रही है। उन्होंने कहा कि किसानों के प्रत्येक मांगों का समाजवादी पार्टी पूर्ण समर्थन करती है और किसानों के हितों के लिए सदैव उनके साथ खड़ी है।

जिलाधिकारी ने स्वच्छ कुम्भ, सुरक्षित कुम्भ एवं प्लास्टिक मुक्त कुम्भ हेतु निकाली गयी जन जागरूकता

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
प्रयागराज। महाकुम्भ को भव्य, दिव्य, नव्य, सुरक्षित, स्वच्छ एवं प्लास्टिक मुक्त बनाने में शिक्षकों का ज्ञान व अनुभव एवं सेवा की भावना होगी उपयोगी-जिलाधिकारी प्रयागराज में महाकुम्भ-2025 के सुरक्षित, स्वच्छ एवं प्लास्टिक मुक्त आयोजन हेतु जागरूकता अभियान के अन्तर्गत माध्यमिक शिक्षा विभाग द्वारा के0पी0ग्राउण्ड में आयोजित स्कूटी/बाईक रैली को हरी झण्डी दिखाकर जिलाधिकारी श्री रविन्द्र कुमार माँदड़ ने रवाना किया। इस अवसर पर जनपद प्रयागराज के माध्यमिक विद्यालयों के दो हजार से अधिक शिक्षक/शिक्षिकाएं, स्काउट गाइड, बेसिक शिक्षा के शिक्षक/शिक्षिकाएं अपनी-अपनी स्कूटी/बाईक के साथ सम्मिलित हुये पी0एन0सिंह, जिला विद्यालय निरीक्षक प्रयागराज ने जिलाधिकारी महोदय एवं ज्वाइंट मजिस्ट्रेट सहित सभी का स्वागत करते हुये कहा कि प्रयागराज में यह विश्व स्तरीय आयोजन हम सब के लिए गौरव का विषय है। महाकुम्भ-2025 को स्वच्छ, सुरक्षित एवं प्लास्टिक मुक्त बनाये जाने के प्रति कृत संकल्पित है। जिलाधिकारी प्रयागराज के निर्देशन में सम्पूर्ण जनपद में कार्ययोजना के माध्यम से निरंतर जन

जागरूकता अभियान का संचालन कराया जा रहा है। कार्यक्रम में जगत तारन गर्ल्स इण्टर कालेज की छात्राओं द्वारा स्वागत गीत एवं समुद्र मन्थन की थीम पर एक लघु नाटिका प्रस्तुत की गयी। रैली को सम्बोधित करते हुये जिलाधिकारी श्री रविन्द्र कुमार माँदड़ ने स्वच्छता की शपथ दिलाते हुए कहा कि अध्यात्म और अध्यापक एक दूसरे के पूरक है। शिक्षक समाज में आकर मुझे अत्यधिक प्रसन्नता हो रही है। त्रिवेणी तट पर आयोजित महाकुम्भ में शिक्षकों के ज्ञान, अध्यात्म, समर्पण एवं सेवा की भावना इस आयोजन को भव्य दिव्य नव्य, सुरक्षित स्वच्छ एवं प्लास्टिक मुक्त बनाने में अवश्य सफल होगी। हमारे विद्यार्थी जन-जन को प्लास्टिक मुक्त कुम्भ के प्रति जागरूक करेंगे एवं सिंगल यूज प्लास्टिक से होने वाले नुकसान को बताते हुए स्वच्छ कुम्भ की ओर बढ रहे है। यह हम सब के लिए प्रेरणा दायी है। कार्यक्रम का संचालन डॉ प्रभाकर त्रिपाठी द्वारा किया गया। रैली के0पी0ग्राउण्ड से प्रारम्भ होकर मेडिकल चौराहा, हनुमान मन्दिर चौराहा, पत्थर गिरजा चौराहा, एकलव्य चौराहा, ऐ0जी0आफिस चौराहा, चौधरी चुन्नी लाल चौराहा, महाराणा प्रताप चौराहा, हेलीकाप्टर चौराहा, हिन्दू हास्टल चौराहा, इण्डियन प्रेस चौराहा, महर्षि भरद्वाज चौराहा से जगत तारन गर्ल्स इण्टर कालेज होते हुये के0पी0इण्टर कालेज मैदान में समाप्त हुयी।

किसानों के सांसद मार्च आंदोलन में सीटू कार्यकर्ताओं ने लिया हिस्सा

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नोएडा । किसानो को दिल्ली जाने से रोकने के लिए प्रशासन ने पूरी ताकत लगा दी जगह-जगह लोगों को आंदोलन में शामिल होने से रोका गया। किसानों के आंदोलन का समर्थन कर रहे मजदूर संगठन सीटू के जिला अध्यक्ष गंगेश्वर दत्त शर्मा को थाना सेक्टर- 49, पुलिस द्वारा सुबह 7:00 बजे गिरफ्तार कर लिया गया। साथ ही किसान नेता बी. सी. प्रधान, सुभाष चौधरी आदि नेताओं को भी गिरफ्तार किया गया। लोगों को जानकारी होने पर बड़ी संख्या में लोग थाना पर

पहुंच गए और पुलिस को मजबूर होकर गिरफ्तार नेताओं को छोड़ना पड़ा। इसी तरह विभिन्न गांव में किसानों को आंदोलन में शामिल होने से रोका गया और जगह- जगह गिरफ्तार किये जाने के बाद भी बड़ी संख्या में किसान आंदोलन में शामिल हुए। आंदोलन की जानकारी देते हुए सीटू जिला अध्यक्ष गंगेश्वर दत्त शर्मा ने बताया कि नोएडा, ग्रेटर नोएडा समेत उत्तर प्रदेश के अन्य जिलों के किसानों ने अपनी मांगों को लेकर दिल्ली कूच की योजना फिलहाल एक हफ्ते के लिए रोक दी है। यह निर्णय आंदोलन स्थल पर सोमवार को ग्रेटर नोएडा, नोएडा और यमुना प्राधिकरण के अधिकारियों के साथ किसानों की लंबी बैठक के बाद लिया गया। किसानों ने कहा है कि वे दलित प्रेरणा स्थल पर एक हफ्ते तक इंतजार करेंगे। अगर उनकी मांगें पूरी नहीं हुईं, तो वे दोबारा दिल्ली की ओर कूच करेंगे।इससे पहले सोमवार दोपहर, किसानों ने नोएडा के महामाया फ्लाईओवर पर एकत्र होकर संसद का घेराव करने के लिए दिल्ली की ओर बढ़ना शुरू किया। पुलिस ने उन्हें दलित प्रेरणा स्थल पर रोकने की कोशिश की, लेकिन किसान बैरिकेडिंग तोड़कर आगे बढ़ गए। स्थिति को नियंत्रित करने के लिए वङ्का वाहन,ँइ के जवान और ड्रोन से निगरानी तैनात की गई। इस दौरान नोएडा-ग्रेटर नोएडा एक्सप्रेसवे पर करीब 5 किलोमीटर लंबा जाम लग गया। किसानों के संसद मार्च में सीपीआई एम दिल्ली एनसीआर राज्य सचिव मंडल सदस्य सिद्धेश्वर शुक्ला, बृजेश कुमार सिंह, सीटू जिला सचिव रामस्वारथ, जनवादी महिला समिति की जिला नेता गुड़िया देवी, अखिल भारतीय किसान सभा के केंद्रीय कमेटी के नेता पुष्पेंद्र त्यागी, मनोज कुमार सहित विभिन्न किसान संगठनों के नेताओं/ कार्यकर्ताओं ने आंदोलन में बढ़-चढ़कर कर हिस्सा लिया किसानों की मुख्य मांगें 1. जमीन अधिग्रहण के बदले किसानों को 10झ् प्लॉट दिया जाए 2. 64.7झ् की दर से मुआवजा सुनिश्चित किया जाए। 3. नए भूमि अधिग्रहण कानून के अनुसार, बाजार दर का चार गुना मुआवजा मिले 4. भूमिधर और भूमिहीन किसानों के बच्चों को रोजगार और पुनर्वास के लाभ दिए जाएं। बैठक के बाद बनी सहमति किसानों और तीनों प्राधिकरणों के बीच कई घंटे तक बातचीत चली। अधिकारियों ने किसानों से एक हफ्ते का समय मांगा, जिसे किसानों ने स्वीकार कर लिया। इसके बाद एक्सप्रेसवे से बैरिकेडिंग हटा दी गई और वाहनों की आवाजाही शुरू हो गई। फिलहाल, किसान राष्ट्रीय दलित प्रेरणा स्थल में डेरा डाले हुए हैं। उनका कहना है कि जब तक उनकी मांगें पूरी नहीं होतीं, वे वहां से नहीं हटेंगे। गाजियाबाद, नोएडा और यमुना प्राधिकरण के अधिकारी लगातार किसानों से बातचीत कर रहे हैं। किसानों को मुख्य सचिव से वार्ता और उनकी मांगों पर कार्रवाई का आश्वासन दिया गया है। किसान नेता डॉ रुपेश वर्मा, सुखबीर खलीफा, बृजेश भाटी, सुनील फौजी आदि नेताओं ने स्पष्ट किया है कि अगर एक हफ्ते में उनकी मांगें नहीं मानी गईं, तो वे दोबारा दिल्ली की ओर कूच करेंगे।

बॉलीवुड/टेली मसाला

क्यों उड़ी शहंशाह की नींद आधी रात को बिग बी ने फिर किया क्रिप्टिक पोस्ट, नेटिजन्स हैरान

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। अमिताभ बच्चन दो दिनों से अपने सोशल मीडिया पोस्ट को लेकर चर्चा में हैं। कल सोमवार

को उन्होंने एक पोस्ट साझा किया था, जिसमें लिखा 'चुप'। इसके बाद आधी रात को उन्होंने एक और क्रिप्टिक पोस्ट लिखा। अमिताभ बच्चन इन दिनों केबीसी 16 को होस्ट कर रहे हैं। इस बीच वे नियमित रूप से सोशल मीडिया पर भी एक्टिव रहते हैं। ब्लॉग लेखन के अलावा इंस्टाग्राम, फेसबुक और एक्स (पूर्व ट्विटर) पर वे खूब पोस्ट साझा करते हैं। कल सोमवार को बिग बी ने ऐसा पोस्ट किया जो खूब वायरल हुआ। साथ ही लोगों ने सवाल भी किए कि आखिर यह किसके लिए है। इसके बाद आधी रात को उन्होंने एक और क्रिप्टिक पोस्ट साझा करके नेटिजन्स को हैरानी में डाल दिया है कल बिग बी ने एक्स अकाउंट से एक पोस्ट किया था। इसमें लिखा था, 'चुप'। साथ ही गुस्से के रिएक्शन वाला इमोजी था। यूजर्स उनके इस पोस्ट पर सवाल करते नजर आए कि आखिर इसका मतलब क्या है? कुछ लोगों ने इस पर मजाकिया तरीके से प्रतिक्रिया दी। वहीं, कुछ लोगों ने इसे अभिषेक बच्चन और ऐश्वर्या राय के रिश्ते में आई कथित दूरी और तलाक की अफवाहों से जोड़ा। बिग बी के एक और क्रिप्टिक पोस्ट ने फिर हलचल बढ़ा दी है। अमिताभ बच्चन ने एक्स से मंगलवार रात करीब तीन बजे एक पोस्ट साझा किया और लिखा, 'चुप चाप, चिड़ी का बाप'। इसके साथ उन्होंने दो इमोजी बनाए हैं, जो चुप रहने का संकेत देने वाले हैं। सोमवार के पोस्ट के बाद फिर इस क्रिप्टिक पोस्ट को साझा क्यों किया गया है, इसका कारण समझ नहीं आ रहा है। अभिनेता की यह पोस्ट किस संदर्भ में है, इसका भी कोई आइडिया नहीं है। लेकिन, यूजर्स अपने-अपने अंदाज में कयास लगा रहे हैं। बीते दिनों अमिताभ बच्चन ने ब्लॉग पर भी एक लंबा लेख लिखा था, जिसमें वे कयासों पर बात करते नजर आए। बिग बी ने लिखा था कि उनके परिवार को लेकर आने वाली खबरों पर उन्होंने कभी प्रतिक्रिया नहीं दी। उन्होंने लिखा, 'अटकलें तो अटकलें ही हैं बिना वेरिफिकेशन के वे असत्य अटकलें हैं ।

पुष्पा 2 की रिलीज से पहले सुकुमार ने कही दिलचस्प बात, खुशी के आंसू रोक नहीं पाए अल्लू अर्जुन

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। हाल ही में हैदराबाद में पुष्पा 2 द रूल का इवेंट बड़ी ही धूमधाम से हुआ। इस इवेंट में फिल्म की पूरी स्टारकास्ट भी मौजदूर थी। अर्जुन की आंखों में आंसू आ गए। सुकुमार ने वायरल हो रहे एक वीडियो में कहा, ठपुष्पा-1 और पुष्पा-2 बनी, बनी के प्रति मेरे प्यार की वजह से। हमारा रिश्ता ऊर्जा के इस बात के लिए माफी मांगी कि उन्होंने इस फिल्म को बनाने में अपने करियर के तीन साल लगा दिए। सुकुमार ने आगे मजाक में कहा,मैं पुष्पा-3 के जरिए उन्हें

लेकिन इस दौरान निर्देशक सुकुमार ने ऐसा कुछ क्या कहा कि अल्लू अर्जुन अपने आंसू पोंछते नजर आए। पुष्पा 2 के इवेंट का यह वीडियो अब सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है।साउथ स्टालिश सुपरस्टार अल्लू अर्जुन उस समय भावुक हो गए जब हैदराबाद में एक प्री-रिलीज इवेंट में पुष्पा 2 के निर्देशक सुकुमार ने उनकी प्रशंसा की। सोमवार को अल्लू अर्जुन और सुकुमार ने कई प्रशंसकों की मौजूदगी में एक प्रमोशनल इवेंट में हिस्सा लिया। दोनों ने पुष्पा 2 को बढ़ावा दिया और एक-दूसरे के बारे में अपने विचार साझा किए। सुकुमार ने अल्लू अर्जुन की लगन और मेहनत की तारीफ की, जिसे सुनकर अल्लू आदान-प्रदान जैसा है।ठ ठबनी छोटी से छोटी भूमिका के लिए भी बेहतरीन प्रयास करते है - चाहे वह पलक हिलाना हो या सही आवाज में बोलना हो। यही लगन और इस तरह का काम किसी भी फिल्म निर्माता को प्रेरित करता है। सुकुमार ने बताया कि जब उन्होंने पुष्पा पर काम शुरू किया, तो उनके पास पूरी कहानी तैयार नहीं थी। सुकुमार ने कहा, ठमैंने बस कुछ सीन सुनाए, लेकिन बनी की ऊर्जा मुझे रचना करने के लिए प्रेरित करती है। पुष्पा ने एक नया बेंचमार्क स्थापित किया है और इसमें शामिल सभी लोगों को उस स्तर तक पहुंचना था।सुकुमार ने अल्लू अर्जुन से इतनी जल्दी परेशान नहीं कर सकता।इस कार्यक्रम में रश्मिका मंदाना, श्रीलीला और निर्देशक एसएस राजामौली भी शामिल हुए। यह पुष्पा 2 की रिलीज से पहले आखिरी ऑन-ग्राउंड प्रमोशनल इवेंट था। फिल्म 5 दिसंबर को रिलीज होने वाली है। फिल्म में अहम भूमिका निभाने वाले फहाद फासिल प्रमोशनल गतिविधियों का हिस्सा नहीं बन सके। हालांकि, अल्लू अर्जुन ने मलयाली अभिनेता की तारीफ करने का कोई मौका नहीं छोड़ा। उन्होंने कहा कि फहाद का प्रदर्शन सभी को उनकी एक्टिंग के बारे में जानने के लिए मजबूर कर देगा।

कंगना रनौत ने देखी 'द साबरमती रिपोर्ट', बोलीं- चिताओं की आग पर राजनीतिक रोटियां सेकी गईं

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। इस साल की बहुचर्चित फिल्म 'द साबरमती रिपोर्ट' इन दिनों हर जगह चर्चा का विषय बनी हुई है। विक्रांत मैसी की फिल्म को अब

कंगना रनौत ने भी देखा है और फिल्म को लेकर अपना एक बयान जारी किया है, जो अब सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है।अभिनेत्री से राजनेता बनीं कंगना रनौत ने भी बाकी सभी की तरह बहुचर्चित और कई विवादों से घिरी फिल्म 'द साबरमती रिपोर्ट' देखी। बाकी सभी दिग्गज अभिनेता और राजनेता के अलावा कंगना भी फिल्म द साबरमती रिपोर्ट की स्क्रीनिंग में शामिल हुईं। फिल्म देखने के बाद कंगना ने भी अपनी प्रतिक्रिया दी है, जिसे सनुकर हर कोई अचंभित रह गया।दिल्ली के संसद पुस्तकालय भवन के बालयोगी ऑडिटोरियम में उनकी फिल्म द साबरमती रिपोर्ट की स्क्रीनिंग में शामिल हुईं। फिल्म देखने के बाद, उन्होंने इसे ठबहुत महत्वपूर्णठ बताया और ऐतिहासिक घटनाओं के फिल्मांकन के लिए निर्माताओं की सराहना की। कंगना के अनुसार, यह फिल्म देश के इतिहास पर प्रकाश डालती है, पिछली सरकार द्वारा कथित तौर पर छिपाए गए तथ्यों को उजागर करती है और इसमें शामिल राजनीति को दर्शाती है। एएनआई से बात करते हुए, कंगना ने कहा, ठयह एक बहुत ही महत्वपूर्ण फिल्म है... यह हमारे देश का इतिहास है और पिछली सरकार ने लोगों से तथ्य छिपाए थे। फिल्म दिखाती है कि कैसे लोगों ने उस समय ऐसी गंभीर स्थिति में राजनीति की। कंगना ने आगे यह भी कहा, ' कैसे कांग्रेस सरकार ने लोगों की चिताओं की आग पर राजनीतिक रोटियां सेकी।'प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एनडीए सांसदों के साथ सोमवार को संसद पुस्तकालय परिसर के बालयोगी सभागार में साबरमती रिपोर्ट की विशेष स्क्रीनिंग में शामिल हुए। स्क्रीनिंग में एनडीए के नेता और केंद्रीय मंत्री भी शामिल हुए, जिनमें अमित शाह, राजनाथ सिंह, किरेन रिजिजू, जीतन राम मांझी, अश्विनी वैष्णव और अन्य शामिल थे।स्क्रीनिंग के बाद, पीएम मोदी ने फिल्म में उनके बेहतरीन प्रदर्शन के लिए कलाकारों और क्रू की प्रशंसा की। एक्स पर एक पोस्ट में, पीएम मोदी ने कहा, 'द साबरमती रिपोर्ट' की स्क्रीनिंग में एनडीए के साथी सांसदों के साथ शामिल हुआ।

पत्नी मीरा राजपूत को फिल्मी दुनिया से दूर रखना चाहते हैं शाहिद कपूर, तारीफ में कही ये बात

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। अभिनेता शाहिद कपूर ने अपनी पत्नी मीरा कपूर के लिए कुछ बातें कही हैं। उन्होंने बताया

कि वे अपनी पत्नी को ग्लैमर की दुनिया से बचा कर रखना चाहते हैं। मीरा राजपूत और शाहिद कपूर बॉलीवुड के चर्चित कपल में से एक हैं। अभिनेता शाहिद कपूर अपनी पत्नी को लेकर काफी प्रोटेक्टिव रहते हैं। शाहिद कपूर ने जब अपनी शादी की घोषणा की थी, उस समय प्रशंसकों के मन में काफी बातें चल रही थीं। वे अब शादीशुदा जिंदगी बिता रहे हैं। उनके दो बच्चे भी हैं- मीशा और जैन पिछले साल मिड-डे को दिए गए एक इंटरव्यू में उन्होंने बताया कि अरेंज मैरिज सेटअप के जरिए अपनी पहली मुलाकात के दौरान उन्हें ठथोड़ा शर्मिंदगीठ महसूस हुई थी, लेकिन उन्हें यह देखकर आश्चर्य हुआ कि मीरा उनके स्टारडम से कितनी बेपरवाह थीं। उन्होंने अपनी अरेंज मैरिज को अपने जीवन का सबसे अच्छा फैसला बताया और मीरा को अपना आदर्श जीवनसाथी बताया। शाहिद ने इस इंडस्ट्री से अपनी पत्नी को बचा कर रखा है। बातचीत में उन्होंने मीरा राजपूत के लिए कहा, 'फिल्मों और ग्लैमर की बड़ी बुरी दुनिया' है। इससे उन्हें मीरा राजपूत को बचाने की जरूरत महसूस होती है। शाहिद ने मीरा राजपूत की तारीफ की। उन्होंने कहा कि वह एक मजबूत, आत्मविश्वासी और बेहद बुद्धिमान महिला हैं, साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि उसकी जिद खुद को बचाने में अहम रही है। शाहिद कपूर ने कहा कि शादी के समय मीरा सिर्फ 20 साल की थीं। वे दिल्ली से मुंबई आईं थी, मुझे उन्हें इस ग्लैमर की दुनिया से बचाकर रखने की जरूरत महसूस होती थी। यहां लोग बहुत आलोचना करते हैं। शाहिद कपूर के वर्क फ्रंट की बात करें तो उनकी अगली फिल्म है 'देवा'। यह फिल्म अगले साल रिलीज होगी।

राम गोपाल वर्मा ने खुद पर दर्ज हुई शिकायत को बताया 'साजिश'

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। राम गोपाल वर्मा अपने खिलाफ दर्ज किए गए मामले पर पहले किए गए एक ट्वीट से संबंधित है। निर्देशक ने कहा कि उस समय में उन्होंने एक हजार से ज्यादा इससे पहले इस मामले में पुलिस ने 13 नवंबर को फिल्मकार को नोटिस जारी कर मद्दीपाडु पुलिस

प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने इन आरोपों को नकारते हुए इसे साजिश और अफवाहों का हिस्सा बताया है। फिल्मकार राम गोपाल वर्मा इन दिनों कानूनी मुसीबतों का सामना कर रहे हैं। उन्हें तेलुगु देशम पार्टी (टीडीपी) के नेताओं, जिनमें आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू, उनके बेटे नारा लोकेश और बहू ब्राह्मणी के बारे में सोशल मीडिया पर कथित रूप से आपत्तिजनक सामग्री पोस्ट करने के आरोप में एक पुलिस मामले का सामना करना पड़ रहा है। एएनआई से बातचीत करते हुए राम गोपाल वर्मा ने कहा कि यह मामला लगभग एक साल ट्वीट किए थे, इसलिए इस ट्वीट के बारे में उन्हें कुछ भी याद नहीं है। इसके अलावा, उन्होंने यह भी कहा कि इस मामले में कोई प्राथमिक प्रमाण नहीं है और यह एक साजिश हो सकती है। राम गोपाल वर्मा ने यह भी आरोप लगाया कि मीडिया में उनके खिलाफ तरह-तरह की अफवाहें फैलाई जा रही हैं। यह मामला प्रकाशम जिले में टीडीपी के मंडल सचिव रामलिंगम की शिकायत पर दर्ज किया गया था। उप निरीक्षक शिव रामैया के अनुसार इस मामले को सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) अधिनियम के तहत पंजीकृत किया है और जांच शुरू कर दी गई है। स्टेशन में जांच अधिकारी के सामने पेश होने का निर्देश दिया था। हालांकि, वह पुलिस के सामने पेश नहीं हुए और उन्होंने जांच के लिए खुद को उपलब्ध कराने के लिए समय मांगा था। राम गोपाल वर्मा पर आरोप है कि उन्होंने अपनी फिल्म व्यूहम के प्रमोशन के तहत सोशल मीडिया पर विवादास्पद पोस्ट किए थे। यह शिकायत तीन हफ्ते पहले की गई थी। राम गोपाल वर्मा को फिल्म इंडस्ट्री में अपनी फिल्मों जैसे 'रंगीला', 'कंपनी' और 'सत्या' के निर्देशन के लिए जाना जाता है, जो उनके करियर के प्रमुख हिट फिल्में हैं।

आरती सिंह को आई 'बिग बॉस' की याद

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। अभिनेत्री आरती सिंह को अपने बिग बॉस के सफर की याद आई है। उन्होंने अपने सोशल भी कही हैं। आरती सिंह ने बिग बॉस 13 में अपने एविक्शन का वीडियो साझा की है। उन्होंने इस वीडियो के साझा कर लिखा, मेरे इस दौरान सिद्धार्थ शुक्ला भी मौजूद थे। इस वीडियो में सलमान खान आरती सिंह की तारीफ करते नजर आते हैं। आरती सिंह से सलमान

मीडिया अकाउंट पर घर से बेघर होने के भावुक वीडियो को सोशल मीडिया पर साझा किया है। अभिनेत्री आरती सिंह बिग बॉस 13 की प्रतिभागी रह चुकी हैं। आरती सिंह को इस शो के बाद प्रशंसकों का प्यार मिला है। उन्होंने इस सीजन में घर से बेघर होने की अपनी याद को बारे में बात की है। उन्होंने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट पर बिग बॉस एविक्शन का वीडियो भी साझा किया है। उन्होंने इस दौरान बिग बॉस और सलमान खान को लेकर कुछ बातें करियर का वीडियो.. ब्रेकिंग पॉइंट। यह आसान नहीं था.. लेकिन तारीफ सुनना और अपने सबसे पसंदीदा से तुम पर बहुत गर्व है आरती, ऐसा था जैसे मैंने कुछ हासिल किया है। गरिमा, आत्मसम्मान और कभी-कभी इसे जाने देना.. इस खूबसूरत सफर के लिए आभारी हूं। अपनी मां को देखकर आरती भावुक हो गईं और उन्हें गले लगा लिया। देखा जा सकता है कि कैसे रश्मि देसाई और शहनाज गिल भी आरती को उनकी मां से मिलते देख भावुक हो गईं, खान कहते हैं, ठबहुत बढ़िया खेला आरती। तुम पर बहुत गर्व है आरती। तुम पर बहुत-बहुत गर्व है। हम सब, पूरा परिवार, हम, हर कोई। बहुत गर्व है। बेहतरीन। तुमने गरिमा के साथ खेला।आरती सिंह बिग बॉस 13 में शो की रनरअप रहीं। इस शो में सिद्धार्थ शुक्ला को विनर घोषित किया गया। आरती सिंह इन दिनों अपनी शादीशुदा जिंदगी को एंजॉय कर रही हैं। आरती सिंह ने 25 अप्रैल को मुंबई के इस्कॉन मंदिर में अपने लॉन्ग टाइम बॉयफ्रेंड दीपक चौहान के साथ शादी की।

वेडिंग एनिवर्सरी पर प्रियंका चोपड़ा ने बेटी मालती को दी स्पेशल ट्रीट, दिखाने ले गईं ये पिक्चर

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। प्रियंका चोपड़ा और निक जोनस की शादी को छह साल हो गए हैं। बीते रविवार 1 दिसंबर को अपनी वेडिंग एनिवर्सरी पर चोपडा ने लिखा, 'शानदार स्क्रीनिंग के लिए शुक्रिया डिज्नी। सभी बच्चों ने फिल्म को खूब एंजॉय किया। आप भी थिएटर में यह फिल्म जरूर देखें'। प्रियंका चोपड़ा और उनके

अभिनेत्री ने अपनी बेटी मालती को स्पेशल ट्रीट दी।बॉलीवुड की देसी गर्ल प्रियंका चोपड़ा और निक जोनस ने साल 2018 में शादी रचाई। हाल ही में इनकी शादी को छह साल पूरे हुए हैं। रविवार 1 दिसंबर को अपनी वेडिंग एनिवर्सरी के मौके पर प्रियंका चोपड़ा ने अपनी बेटी मालती को खास सरप्राइज दिया। वे बेबी मालती को 'मोआना 2' दिखाने ले गईं। प्रियंका चोपड़ा ने सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए यह जानकारी साझा की है। प्रियंका चोपड़ा ने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट साझा किया है। उन्होंने कुछ तस्वीरें शेयर की हैं, जिनमें मालती 'मोआना 2' फिल्म का लुत्फ उठाती नजर आ रही हैं। इसके साथ कैप्शन लिखा है, 'हमारी वेडिंग एनिवर्सरी पर क्या स्पेशल ट्रीट मिली। मालती की फेवरेट मोआना, हमारे कुछ दोस्त और परिवार। 'मोआना 2' बहुत ही मजेदार फिल्म है।' इसके साथ प्रियंका चोपड़ा ने डिज्नी का भी शुक्रिया अदा किया। प्रियंका परिवार के लिए फिल्म की ये स्क्रीनिंग डिज्नी ने आयोजित की। तस्वीरों में मालती और बाकी बच्चे फिल्म का लुत्फ उठाते नजर आ रहे हैं। साझा की गईं तस्वीरों में प्रियंका चोपड़ा काफी स्टाइलिश लुक में नजर आ रही हैं। ब्राउन कलर की स्कर्ट और स्लीवलेस टॉप में वे मिरर सेल्फी लेती दिख रही हैं। प्रियंका चोपड़ा के वर्क फ्रंट की बात करें तो इन दिनों वे सीरीज 'सिटाडेल 2' की शूटिंग में व्यस्त हैं। उनकी आगामी फिल्म में 'द ब्लफ' शामिल है। फिल्म 'मोआना 2' साल 2016 में आई 'मोआना' का अगला भाग है। थैंक्सगिविंग के अवसर पर 27 नवंबर को रिलीज हुई यह फिल्म शानदार प्रदर्शन कर रही है। शुरुआती पांच दिनों में इसने 221 मिलियन डॉलर का कारोबार कर लिया। भारत में यह फिल्म 29 नवंबर को रिलीज हुई। यहां भी इसे खूब पसंद किया जा रहा है। भारतीय बॉक्स ऑफिस पर यह फिल्म अब तक 13.17 करोड़ रुपये कमा चुकी है।

कभी खलनायिका तो कभी बनीं पत्रकार, फिल्मों में अलग किरदार निभा कोंकणा सेन शर्मा ने जीता दिल

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। बॉलीवुड अभिनेत्री कोंकणा सेन शर्मा अपना 44वां जन्मदिन मना रही हैं। अभिनेत्री ने में या तो दोषी पाए जाते हैं या निर्दोष। कोंकणा सेन शर्मा ने फिल्म में एक मां की भूमिका निभाई है। इसमें इरफान खान और नीरज

इंडस्ट्री में अपने करियर के दौरान कई हिट फिल्में दी हैं। चलिए जानते हैं उनसे जुड़ी कुछ खास बातें बॉलीवुड इंडस्ट्री में कोंकणा सेन शर्मा को उनकी बेहतरीन अदाकारी के लिए जाना जाता हैं। उन्होंने अपने बहुमुखी अभिनय के लिए हर जगह प्रशंसा बटोरी है। नेशनल अवॉर्ड जीत चुकी कोंकणा आज अपना 44वां जन्मदिन मना रही हैं। कोंकणा ने बचपन से ही अभिनय करना शुरू कर दिया था। इस अभिनेत्री ने 1983 की फिल्म 'इंदिरा' में एक बाल कलाकार के रूप में अपने अभिनय की शुरुआत की थी। इसके बाद उन्होंने जितनी भी फिल्में कीं, उनमें अपने अभिनय की अलग दमदार छाप छोड़ी। उन्होंने हर फिल्म में अपनी अदाकारी का लोहा मनवाया है। ऐसे में चलिए जानते हैं कोंकणा की कुछ बेहतरीन भूमिकाओं के बारे में।'तलवार' मोटे तौर पर 2008 के नोएडा दोहरे हत्याकांड पर आधारित थी, जिसमें एक किशोरी और उसके परिवार का नौकर शामिल था। यह फिल्म एक मामले की तीन अलग-अलग दृष्टिकोणों से जांच की कहानी को दिखाती है, जिसमें पुलिस जांच में उसके माता-पिता हत्या के आरोपों काबी भी मुख्य भूमिका में हैं। कोंकणा सेन शर्मा ने विशाल भारद्वाज की प्रतिष्ठित फिल्म ओमकारा में इंदु त्यागी की भूमिका निभाई थी।

स्वत्वाधिकारी एवं मुद्रक डा0 दीपक अरोरा द्वारा रामा प्रिन्टर्स 53/25/1 ए बेली रोड न्यू कटरा प्रयागराज (उ.प्र.) 211002 से मुद्रित एवं सी-41 यूपी एसआईडीसी औद्योगिक क्षेत्र नैनी प्रयागराज। (उ.प्र.) 211010 से प्रकाशित।
सम्पादक/प्रकाशक डा0 पुनीत अरोरा
मो0न0 09415608710
RNI No. UPHIN/2015/63398
website:www.adhuniksamachar.com

नोटः- इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होगे।